दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क
www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak
वर्ष: 2 | अंक: 355 जयपुर, मंगलवार, 05 दिसंबर, 2023 | मार्गशीर्ष, कृष्ण पक्ष- अष्टमी, विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

जरूरी खबर

मिजोरम विधानसभा चुनाव में ZPM को मिला बहुमत

इंफाल। मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए हुए चुनाव में जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) को शानदार जीत मिली है। इस बार चुनाव में सत्तारूढ़ एमएनएफ, जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के बीच मुकाबला था। जेडपीएम ने 40 सीटों वाली विधानसभा में 27 सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं एमएनएफ को मात्र 10 सीटों पर जीत मिली हैं। वहीं, भाजपा को 2 और कांग्रेस को एक सीट पर मिली है।

आज राजस्थान कांग्रेस विधायक दल की बैठक

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक मंगलवार को यहां होगी। पार्टी के प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कांग्रेस विधायक दल की बैठक मंगलवार सुबह 11 बजे बुलाई है। राज्य की 200 सदस्यीय विधानसभा की 199 सीट पर मतदान हुआ जिसके वोटों की गिनती रविवार को की गई। इसमें भाजपा को 115 सीट के साथ बहुमत मिला जबकि कांग्रेस 69 सीट पर सिमट गई। करणपुर सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी के निधन के कारण चुनाव स्थगित कर दिया गया है।

मणिपुर: दो उग्रवादी समूहों के बीच गोलीबारी, 13 मरे

इंफाल। मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में सोमवार को उग्रवादियों के दो समूहों के बीच हुई गोलीबारी में कम से कम 13 लोग मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना सोमवार दोपहर लीथू गांव में हुई। तेंगनौपाल जिले के एक अधिकारी ने कहा, 'म्यांमार जा रहे उग्रवादियों के एक समूह पर इलाके में दबदबा रखने वाले उग्रवादियों के एक अन्य समूह ने घात लगाकर हमला किया।'

चुनाव विश्लेषण: हिंदुत्व के फैक्टर ने भुला दिया कुछ माह पहले निकली राहुल की पदयात्रा को

कांग्रेस के लिए फायदेमंद साबित नहीं हुई 'भारत जोड़ो यात्रा'

■ राहुल के यात्रा मार्ग के अधिकांश क्षेत्रों में कांग्रेस को मिली शिकस्त ■ अलवर जिले में 6-5 का स्कोर पार्टी के लिए रहा सांत्वना वाला

बेधड़क | जयपुर

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की जनता में कांग्रेस का समर्थन बढ़ाने के लिए की गई 'भारत जोड़ो यात्रा' अपने उद्देश्य को प्राप्त करने में कामयाब नहीं हो सकी। इस महत्वाकांक्षी यात्रा के दौरान व तत्काल बाद हुए कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में तो अच्छे परिणाम वाली साबित हुई, लेकिन अब उसका प्रभाव वैसा नहीं रहा जैसा तब था। यही वज रही कि राजस्थान में यात्रा मार्ग के विधानसभा क्षेत्रों में बंपर समर्थन मिलने की उम्मीदें पूरी नहीं हो सकी। प्रदेश के यात्रा मार्ग वाले 33 विधानसभा क्षेत्रों में से अधिकांश विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस की बुरी तरह से हार हुई है। याद करें, साल 2018 के चुनाव में इन 33 में से 18 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस जीती थी।

33 विधानसभा क्षेत्रों से गुजरी थी यात्रा

भारत जोड़ो यात्रा झालावाड़ से प्रदेश में प्रवेश कर अलवर से निकलने तक 33 विधानसभा क्षेत्रों में से होकर गुजरी थी। इस दौरान राहुल गांधी ने करीब 50 जगह नुक्कड़ सभाएं और 10 जगह बड़ी सभाएं भी की थीं। तब कांग्रेस द्वारा इस यात्रा को इस तरह प्रचारित किया गया कि 2023 के चुनाव में कांग्रेस 33 में से 30 सीटों पर कब्जा कर लेगी। कांग्रेस ने इन सीटों पर राहुल गांधी को जनता का जबरदस्त समर्थन मिलने का दावा किया गया।

इन सीटों पर मिली हार

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल कोटा और बारां गए। यात्रा के समय कोटा की 6 सीट में से 3 पर कांग्रेस का कब्जा था, लेकिन चुनाव नतीजों में कोटा में शांति धारीवाल ही जीत पाए। महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष राखी गौतम तक चुनाव हार गई। बारां में खनन मंत्री प्रमोद जैन भाया को बुरी तरह शिकस्त मिली। लब्बोलुआब यह कि इस क्षेत्र से कांग्रेस का सफाया-सा हो गया। यात्रा मार्ग में राहुल की सबसे बड़ी जनसभा बांदीकुई में हुई थी, लेकिन वहां कांग्रेस को बुरी तरह हार मिली है। भारत जोड़ो यात्रा के समय दौसा जिले की पांच में से चार सीट पर कांग्रेस का कब्जा था। तीन विधायक ममता भूपेश, मुरारीलाल मीणा व परसादीलाल मीणा मंत्री थे। इस बार कांग्रेस केवल एक सीट दौसा जीत पाई है। इनमें से दो मंत्री ममता भूपेश व परसादीलाल मीणा चुनाव हार गए। सवाईमाधोपुर में मुख्यमंत्री के सलाहकार दानिश अबरार को भी करारी हार का सामना करना पड़ा। यहां कांग्रेस केवल दो सीट जीतने में कामयाब हुई है।

अलवर जिले से निकासी... जहां मिली जीत

भारत जोड़ो यात्रा की निकासी वाले अलवर जिले की 11 सीट में से 5 पर कांग्रेस, 2-2 दो भाजपा, बसपा और निर्दलीय विधायक थे। यहां भी राहुल गांधी ने बड़ी जनसभाएं की थी। इस बार 11 में से 6 पर कांग्रेस तो जीती, लेकिन भाजपा भी 5 पर विजयी रही।

कौन बनेगा राजस्थान का मुख्यमंत्री: दिल्ली में भाजपा के प्रदेश, केंद्रीय नेताओं और दावेदारों की कवायद

पार्लियामेंट्री बोर्ड की बैठक में तय होगा सीएम का नाम

लोकसभा चुनाव की रणनीति के मद्देनजर नाम पर लगेगी मुहर

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में भाजपा को बहुमत मिलने के साथ ही मुख्यमंत्री चयन को लेकर सियासत तेज हो गई है। हर सियासतदां ही नहीं, बल्कि हर प्रदेशवासी के जेहन में इस बार सीएम के नाम को लेकर जितनी आतुरता देखी जा रही है, ऐसी पहले कभी नहीं दिखी। वजह भी है, अब तक भैरोंसिंह शेखावत और वसुंधरा राजे ऐसे नाम थे, जिनको तय सीएम माना जाता था। जबकि इस बार न पार्टी ने चेहरा घोषित किया, ना ही किसी प्रदेश स्तरीय नेता को इतना हाईलाइट होने दिया। भाजपा में अंदरखाने और खुले में भी जैसी सियासत देखी जा रही है, उसके मुताबिक पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, बाबा बालकनाथ, ओम प्रकाश माथुर, दीया कुमारी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, गजेन्द्र सिंह शेखावत, अश्विनी वैष्णव सहित अन्य के नाम मुख्यमंत्री की रेस में माने जा रहे हैं। फिलहाल, सारी कवायद दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और उत्तरप्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ की ओर से हो रही मुलाकातों के इर्द गिर्द सिमटती दिखाई दे रही है।

आब्जर्वर्स के नामों पर भी अभी धुंध

माना जा रहा है कि भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव की रणनीति को ध्यान में रखते हुए राजस्थान का मुख्यमंत्री तय करेगी। इसके लिए भाजपा पार्लियामेंट्री बोर्ड की बैठक में नाम तय होगा। बहरहाल, अभी पार्टी ने मुख्यमंत्री चयन के लिए होने वाली विधायक दल की बैठक के लिए आब्जर्वर्स के नामों की भी घोषणा नहीं की है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष पहुंचे संसद... मिले शाह व नड्डा से

मुख्यमंत्री के नाम की गहमागहमी के बीच दिल्ली में बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी पार्लियामेंट पहुंचे। उन्होंने संसद भवन में सांसदों से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर उन्हें राजस्थान सहित तीन राज्यों में भाजपा की जीत पर बधाई दी। उनके साथ राजस्थान के पार्टी प्रभारी अरुण सिंह भी थे। वहीं, राजस्थान के चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी ने भी गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। हालांकि, इन मुलाकातों में क्या बात हुई, यह तो सामने नहीं आया, लेकिन सियासी हलकों में चर्चा है कि प्रदेश में सीएम के नाम को लेकर बातचीत हुई।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला से गुफ्तगू

संसद भवन में गजेंद्र सिंह शेखावत, बाबा बालकनाथ, राज्यवर्धन राठौड़ सहित अन्य नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। प्रदेश में नए सीएम का नाम तय करने के लिए हो रही चर्चाओं के बीच बाबा बालकनाथ का नाम सर्वाधिक चर्चा में रहा। बालकनाथ ने गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से करीब दो घंटे तक मुलाकात की। माना जा रहा है कि उत्तरप्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ उनको सपोर्ट कर रहे हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री बनाए जाने की अटकलों से जुड़े सवालों को बालकनाथ टालते हुए कहा है कि यह सब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन की वजह से है। भाजपा को सारे वोट उनके नाम पर मिले। यह लोगों का आशीर्वाद है।

कई विधायक पहुंचे राजे से मिलने

इधर, जयपुर में भाजपा के करीब 30 नव निर्वाचित विधायकों ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से उनके सिविल लाइंस स्थित बंगले पर मुलाकात की। वहीं, राजे ने भी दिनभर कई विधायकों को फोन कर जीतने पर बधाई दी। इस मुलाकात के लिए पहले कहा गया कि वसुंधरा राजे आए विधायकों को डिनर देंगी, लेकिन बाद में साफ हुआ कि डिनर का कोई कार्यक्रम नहीं है। -पेज 3 भी देखें

प्रदेश का मौसम: पूर्वी हिस्से में बारिश के बाद बढ़ेगी ठंड

चित्तौड़-भीलवाड़ा में एक से डेढ़ इंच मावठ... बढ़ी सर्दी

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में पश्चिम विक्षोभ के चलते पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम दर्जे कर बारिश दर्ज की गई। वहीं, पश्चिम राजस्थान सामान्यतः शुष्क रहा। सर्दी की वजह से राज्य में कई जगह हल्का कोहरा भी छाया रहा। इससे वाहन चालकों को गाड़ी चलाने में परेशानी हुई। प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान कुछ जिलों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को सबसे ज्यादा बारिश 28 एमएम चित्तौड़गढ़ में दर्ज की है। इसके बाद भीलवाड़ा में 24 एमएम, उदयपुर में 19.8 एमएम, करौली में 21 एमएम, बारां में 15.5 एमएम, कोटा में 12.6 एमएम, वनस्थली में 11.7 एमएम, धौलपुर में 11.5 एमएम, डूंगरपुर में 11 एमएम दर्ज की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार बारिश के कारण राज्य के अधिकतर स्थानों पर अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। राजधानी में जयपुर में भी मंगलवार को हल्की बूंदाबादी होने की संभावना है।

तापमान में 2 से 3° की आएगी गिरावट

चक्रवाती तूफान का नहीं रहेगा असर

पूर्वी भारत में बंगाल की खाड़ी पर इस समय बने हुए चक्रवाती तूफान का असर प्रदेश में नहीं देखने को मिलेगा।

कोटा संभाग में बारिश का दौर

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार प्रदेश में कोटा संभाग में अगले 24 घंटे में बारिश का दौर रहेगा। इसके बाद मौसम शुष्क रहने की संभावना रहेगी। प्रदेश में मौसम में तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट रहेगी।

तेजी से गिरा तापमान

बारिश के कारण राज्य के ज्यादातर जिलों में में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से तेजी से गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने कहा है कि राजस्थान में बारिश के बाद अब तापमान भी तेजी से गिरने के आसार हैं।

हैदराबाद के पास मेडक जिले में हुआ हादसा

IAF का विमान क्रैश, दो पायलटों की मौत

एजेंसी | हैदराबाद

भारतीय वायुसेना का प्रशिक्षण विमान हैदराबाद के पास दुर्घटनाग्रस्त होने से दो पायलटों की मौत हो गई। हैदराबाद से लगभग 60 किलोमीटर दूर मेडक जिले के तूप्रान के पास सोमवार सुबह भारतीय वायु सेना का एक प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें दो पायलटों की मौत हो गई।

पिलाटस पीसी 7 एमके टू ट्रेनर विमान ने सुबह नियमित प्रशिक्षण उड़ान के लिए वायुसेना अकादमी, हैदराबाद से उड़ान भरी थी। वायुसेना अधिकारियों ने बताया कि दोनों पायलटों में से एक प्रशिक्षक और एक प्रशिक्षु था। आईएएफ ने एक बयान में कहा, "यह बेहद अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि पुष्टि करते हैं कि विमान में सवार दोनों पायलटों की मौत हो गई हैं। किसी भी नागरिक जीवन या संपत्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ है।"

इंटेलीजेंस रिपोर्ट का भरोसा नहीं किया कांग्रेस सरकार ने

ग्राउंड रिपोर्ट थी... 60 विधायकों के टिकट कटेंगे तभी बनेगी गठबंधन की सरकार

- कांग्रेस ने केवल 17 विधायकों को ही नहीं दिया था टिकट
- चुनाव में मौजूदा 57 विधायक व मंत्रियों को करना पड़ा हार का सामना
- मुख्यमंत्री गहलोत के ओएसडी शर्मा ने भी सवाल उठाए... नतीजों के बाद

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा चुनावों में भाजपा पूर्ण बहुमत से सरकार बना रही है। मुख्यमंत्री के दावेदारों की सूची में भले ही 8 कद्दावर नेता है, लेकिन दिल्ली से अभी तक किसी के नाम पर मुहर नहीं लगी है। इस बीच ही चुनावों में भाजपा व कांग्रेस के नेता हार की वजह ढूंढने लगे हैं।

कांग्रेस सरकार को पुलिस मुख्यालय इंटेलीजेंस शाखा से सभी 200 सीटों पर दावेदारों व मौजूदा प्रत्याशियों के कामकाज का सर्वे कर एक गोपनीय रिपोर्ट दी थी।

सूत्रों ने बताया कि रिपोर्ट में इंटेलीजेंस के अफसरों ने गहलोत सरकार को प्रत्याशियों की सूची जारी करने से पहले बताया था कि अगर मौजूदा कुछ मंत्रियों सहित 60 विधायकों के टिकट कटेंगे तो चुनावों में कांग्रेस 90 सीटों पर मजबूत होगी।

'सच बेधड़क' ने भी इंटेलीजेंस की रिपोर्ट के आधार पर खबर प्रकाशित कर मामले का खुलासा किया था।

सिर्फ 17 के टिकट काटे, 56 हारे

कांग्रेस ने केवल 17 मौजूदा विधायकों को ही टिकट नहीं दिया। 85 मौजूदा विधायकों को टिकट दिए गए और इनमें से 56 मौजूदा विधायक हार गए। इंटेलीजेंस की रिपोर्ट होने के बाद भी कांग्रेस ने टिकट वितरण में कामकाज के सर्वे को आधार नहीं माना। ऐसे में कांग्रेस 69 सीटों तक सिमट गई और सरकार रिपीट नहीं कर पाई।

हर एमएलए के काम का था फीडबैक

वर्ष 2018 में कांग्रेस ने 102 सीटें जीतकर कांग्रेस ने सरकार बनाई थी। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों से पहले इंटेलीजेंस शाखा ने सभी जिलों में प्रत्येक विधानसभा सीट के मौजूदा व दावेदार प्रत्याशियों के कामकाज का फीडबेक लेकर रिपोर्ट बनाई थी। 60 विधानसभा सीटों पर मौजूदा विधायकों के कामकाज, बड़बोलेपन और रवैये से लोग काफी परेशान थे। ऐसे लोगों का मानना था कि कांग्रेस टिकट मौजूदा विधायक को छोड़कर किसी अन्य प्रत्याशी को उम्मीदवार बनाती है तो सीट पर जीत की संभावना है।

10 फीसदी के भी टिकट नहीं काटे

कांग्रेस ने इन विधायकों में से 10 फीसदी के टिकट भी नहीं काटे, नतीजा समाने है। रिपोर्ट में कई मंत्रियों के खिलाफ अंडरकरंट की बात कही गई थी, लेकिन वे चुनाव लड़े और हारे। कांग्रेस इंटेलीजेंस रिपोर्ट पर भरोसा करती तो निर्दलीय व तीसरे मोर्च के विधायकों के साथ गठबंधन करके सरकार फिर से सरकार बना सकती थी। बता दें, इस बार निर्दलीय व तीसरे मोर्च के 15 प्रत्याशियों ने जीत हासिल की है। और तो और, चुनाव परिणाम आने के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा ने भी टिकट वितरण पर सवाल उठाए हैं।

जरूरी खबर

राज्यपाल मिश्र को सौंपी निर्वाचित सदस्यों की सूची

बेधड़क,जयपुर। प्रदेश में विधानसभा चुनावों के परिणाम बाद भारत निर्वाचन आयोग के प्रमुख सचिव नरेन्द्र एन बुटोलिया और राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को राज्यपाल कलराज मिश्र नवनिर्वाचित 199 सदस्यों के नाम की अधिसूचना की प्रति सौंपी। इस आयोग के सचिव अश्विनी मोहाल, अवर सचिव चंद्रप्रकाश, राज्यपाल के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार और प्रमुख विशेषाधिकारी गोविंदराम जायसवाल उपस्थित रहे।

नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण 4 ट्रेनें प्रभावित

बेधड़क, जयपुर। दक्षिण मध्य रेलवे पर सिकंदराबाद मंडल के वरंगल स्टेशन पर एवं सूरारेड्डि पालेम स्टेशन एवं औंगोल स्टेशन पर तीसरी लाइन डालने के चलते नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के लिए ब्लॉक किया गया है। इस कार्य के लिए रेल यातायात प्रभावित रहेगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के प्रवक्ता के अनुसार गाड़ी संख्या 09715, हिसार-तिरूपति रेलसेवा 9 व 16 दिसंबर को रद्द रहेगी। वहीं गाड़ी संख्या 09716, तिरूपति -हिसार रेलसेवा 12 व 19 को रद्द रहेगी। इसी तरह उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल पर वीरांगना लक्ष्मीबाई स्टेशन पर तकनीकी एवं यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के कारण गाड़ी संख्या 19666 प्रभावित रहेगी।

उपेन यादव ने बेरोजगार संघ से दिया इस्तीफा

बेधडक,जयपुर। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष उपेन यादव ने प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है, साथ ही ऐलान किया है कि अब नए कार्यकारी अध्यक्ष अशोक चौधरी होंगे। सात दिसंबर को अशोक चौधरी राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ कार्यालय में अध्यक्ष पद का पदभार ग्रहण करेंगे। उपेन ने कहा कि युवा बेरोजगारों के भविष्य के लिए लगभग 12 साल तक संघर्ष किया है और संघर्ष के दौरान ढाई लाख से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी दिलवाने में अहम योगदान निभाया है। युवा बेरोजगारों के भविष्य के लिए 17 बार जेल गया और 12 बार अनशन किया।

हार से आहत होकर सतीश पूनियां ने की राजनीति से ब्रेक लेने की घोषणा

भविष्य में आमेर की जनता की सेवा नहीं कर पाऊंगा: पूनियां

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में हुए विधानसभा चुनावों में इस बार कई दिग्गजों को हार का सामना करना पड़ा है। इनमें भाजपा उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनियां भी शामिल हैं। पूनियां को आमेर विधानसभा से कांग्रेस के प्रशान्त शर्मा से शिकस्त मिली।

ऐसे में सोमवार को अपनी हार से आहत पूनियां ने भविष्य में आमेर से चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान कर दिया है। साथ ही राजनीति से ब्रेक लेने का फैसला लिया है। इस फैसले के बाद उनके समर्थकों में गहरी निराशा व्यक्त की है। पूनियां ने सोमवार

को एक्स पर लिखा कि यह समय उनके लिए कठिन परीक्षा की घड़ी जैसा है। परन्तु परिस्थितियों और मनोवैज्ञानिक रूप से वे यह निर्णय करने के लिए मजबूर हैं कि वे अब भविष्य में आमेर क्षेत्र के लोगों और कार्यकर्ताओं को सेवा और समय नहीं दे पाएंगे। पार्टी नेतृत्व को भी वे अपने निर्णय से अवगत करवाकर आग्रह करेंगे।

आमेर में बड़ी-बड़ी जातियों का जंजाल

पूनियां ने ट्वीट में आगे लिखा कि लोकतंत्र में जनता जनार्दन होती है। मैं आमेर की जनता के निर्णय को स्वीकार करते है। कांग्रेस के विजयी प्रत्याशी प्रशान्त शर्मा जी को बधाई देते है। आशा करता है कि वो आमेर के विकास को यथावत गति देते रहेंगे। जन भावनाओं का सम्मान करेंगे। आमेर से उनका रिश्ता दस बरसों से है। वे 2013 में पार्टी के निर्देश पर चुनाव लड़ने आए थे। चुनाव में मात्र 329 वोटों की हार हुई। भाजपा की सरकार के दौरान हमने यहां विकास को मुद्दा बनाकर काम किया। हालांकि लोग कहते हैं कि यहां बड़ी-बड़ी जातियों के जंजाल में जाति से ऊपर उठकर कोई विकास की सोचे, ये थोड़ा मुश्किल है। 2013-2018 में हमने कोशिश की। थोड़ा सफल हुए। विकास कार्यों से लेकर कोरोना के दौरान सेवा कार्यों से लोगों में भरोसा पैदा करने की कोशिश की थी। शायद लोगों को समझाने में हम विफल रहे।

यह हार मेरे लिए आघात जैसी

पूनियां ने लिखा कि माना कि चुनाव में हार जीत एक सिक्के के दो पहलू हैं। आमेर की यह हार मेरे लिए सोचने पर मजबूर करने वाली है। एक आघात जैसी है। हमने सपने देखे थे कि आमेर इस बार रिवाज बदलेगा। हम मिलकर सरकार के माध्यम से कार्यकर्ताओं का सम्मान और जनता का बेहतरीन काम करके इसे आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाएंगे। ऐसा नहीं हुआ, यह समय मेरे लिए कठिन परीक्षा की घड़ी जैसा है।

बाल मुकुंदाचार्य ने खोला मोर्चा

हवामहल से भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक बाल मुकुंदाचार्य पहले ही दिन से एक्शन मोड में आ गए हैं। हवामहल में ध्रुवीकरण के कारण सीट जीतकर आने के बाद पहले ही दिन आचार्य ने सनातन धर्म की रक्षा को अपना एजेण्डा बता दिया। दरअसल, सोमवार को वे अपने चुनाव कार्यालय में समर्थकों की मीटिंग लेने आए थे। जहां उनके समर्थकों ने खुले में नॉन वेज की दुकानें लगाने की शिकायत की। इस पर विधायक बाबा अपने समर्थकों के साथ रामगढ़ मोड स्थित कर्बला चौराहे पर आ गए और वहीं से निगम के अधिकारियों को फोन लगाकर लताड़ लगा दी। उन्होंने शाम तक अवैध नॉन वेज की दुकानें बंद करने और वैध दुकानों को खुले में नॉनवेज परोसने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस पर हेरिटेज सतर्कता आयुक्त सुरेश महरानियां ने जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया।

विधानसभा चुनाव 2023: कुल 50 उम्मीदवार थीं मैदान में

महिला विधायकों की संख्या घटी, बीस ने दर्ज की जीत

- भाजपा और कांग्रेस की 9-9 महिला प्रत्याशी जीतीं, 2 निर्दलीय
- 2018 में 24 महिला उम्मीदवार विधानसभा पहुंची थीं

बेधड़क | बीकानेर

प्रदेश में इस बार विधानसभा सभा चुनावों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व घट गया। इस बार पिछले चुनाव के मुकाबले 20 महिला विधायक चुनी गई है, जबकि 2018 में यह आंकड़ा 24 था।

विधानसभा सभा 2023 में जीत दर्ज करने वाली 20 महिला विधायकों में 9-9 भाजपा और कांग्रेस की और 2 निर्दलीय हैं। प्रदेश की 16वीं विधानसभा के लिए हुए चुनाव में इस बार कुल 50 महिला मैदान में थीं, जिनमें से 20 को भाजपा ने और 28 को कांग्रेस ने टिकट दिया था। वहीं दो ने निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़ा। जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित 20 महिला प्रत्याशी चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंची हैं। 15वीं राजस्थान विधानसभा में 24 महिला सदस्य थीं, जिनमें कांग्रेस की 12, भाजपा की 10, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) की एक और एक निर्दलीय सदस्य थी।

इन्होंने लहराया जीत का परचम

भाजपा

दीया कुमारी (विद्याधर नगर)
वोट: 158516
अंतर: 71368

- अनिता भदेल (अजमेर दक्षिण)
- मंजू बाघमार (जायल)
- शोभा चौहान (सोजत)
- दीप्ति किरण माहेश्वरी (राजसमंद)
- कल्पना देवी (लाडपुरा)
- वसुंधरा राजे (झालरापाटन)
- सिद्धि कुमारी (बीकानेर पूर्व)
- नौक्षम चौधरी (कामां)

कांग्रेस

अनिता जाटव (हिंडौन)
वोट: 91627
अंतर: 38276

- शिमला देवी (अनूपगढ़)
- सुशीला डूडी (नोखा)
- रीता चौधरी (मंडावा)
- शिका मील बराला (चोंमू)
- शोभारानी कुशवाह (धौलपुर)
- इंद्रा (बामनवास)
- गीता बरवार (भोपालगढ़)
- रमिला खड़िया (कुशलगढ़)

निर्दलीय: ऋतु बनावत (बयाना), प्रियंका चौधरी (बाड़मेर)

ब्राह्मण समाज के 15 विधायक विजयी

ब्राह्मण समाज के श्रीडूंगरगढ़-तारांचद सारस्वत, सांगानेर-भजन लाल शर्मा, हवामहल-बालमुकुंदाचार्य, सिविल लाइन्स- गोपाल शर्मा, अलवर-संजय शर्मा, केकड़ी- शत्रुघ्न गौतम, बीकानेर पश्चिम- जेठानन्द व्यास, सूरसागर - देवेंद्र जोशी, आहोर-छगन सिंह राजपुरोहित, कोटा दक्षिण- संदीप शर्मा, सरदारशहर-अनिल शर्मा, सीकर- राजेंद्र पारीक, आमेर- प्रशांत शर्मा, बूंदी- हरिमोहन शर्मा, मांडलगढ़- गोपाल लाल शर्मा ने जीत दर्ज की।

20 राजपूत विधायकों ने मारी बाजी

राजपूत समाज में इस बार सिद्धि कुमारी-बीकानेर पूर्व, अंशुमान सिंह भाटी-कोलायत, बाबू सिंह राठौड़- शेरगढ़, गजेन्द्र सिंह खींवसर - लोहावट, छोटू सिंह भाटी-जैसलमेर, प्रताप पुरी- पोकरण, रविंद्र सिंह भाटी- शिव, हमीर सिंह भायल- सिवाना, समरजीत सिंह- भीनमाल, पुष्पेन्द्र सिंह- बाली, सुरेन्द्र सिंह राठौड़- कुम्भलगढ़, विश्वराज सिंह मेवाड़- नाथद्वारा, चन्द्रभान सिंह आक्या-चित्तौड़गढ़, राज्यवर्धन सिंह - झोटवाड़ा, दिया कुमारी- विद्याधरनगर, देवी सिंह शेखावत- बानसुर, विक्रम सिंह जाखल- नवलगढ़, कल्पना देवी- लाडपुरा, मनोज सिंह न्यांगली- राजगढ़, वीरेंद्र सिंह कानावत ने मसूदा से जीत दर्ज की है।

जाट विधायकों की संख्या बढ़ी

विधानसभ चुनावों में इस बार सबसे अधिक जाट समाज के विधायक विधानसभा पहुंचेंगे। इसके बाद राजपूत के समाज 20 और ब्राह्मण समाज के 15 विधायक बने हैं। प्रदेश में इस बार कांग्रेस में जाट समाज से रतनगढ़- पुसाराम गोदारा, झुंझुनूं - ब्रजेंद्र ओला, मंडावा-रीटा चौधरी, सूरजगढ़- श्रवण चौधरी, दातारामगढ़- वीरेंद्र सिंह, चोंमू- शिखा मील बराला, फुलेरा- विद्याधर सिंह , किशनगढ़ बास - दीपचंद खैरिया, लाडनूं - मुकेश भाकर, परबतसर- रामनिवास गावड़िया, तारानगर- नरेंद्र बुडानियां, लक्ष्मणगढ़ - गोविंद सिंह डोटासरा, किशनगढ़- विकास चौधरी, नागौर - हरेंद्र मिर्धा, बायतू- हरीश चौधरी और नोखा से सुशीला डूडी ने जीत दर्ज की है। वहीं भारतीय जनता पार्टी से मालपुरा-कन्हैया लाल चौधरी, श्रीमाधोपुर- झाबर सिंह खर्रा, विराटनगर- कुलदीप धनकड़, डिग कुम्हेर- डा. शैलेश दिगम्बर सिंह, डेगाना- अजय सिंह कीलक, नावा-विजय सिंह चौधरी, ओसियां- भैराराम चौधरी सियोल, भादरा- संजीव कुमार बेनीवाल, लूणकरणसर- सुमित गोदारा, चूरू- हरलाल सहारण, नदबई- जगत सिंह, नसीराबाद- रामस्वरूप लाम्बा, खंडेला - सुभाष मील ने जीत दर्ज की है। वहीं आरएलपी से हनुमान बेनीवाल और बाड़मेर से निर्दलीय प्रियंका चौधरी विधानसभा पहुंची हैं।

निर्माणधीन इमारत का पाइप गिरा

- हादसे में कई वाहन क्षतिग्रस्त

बेधड़क, जयपुर। नारायण सिंह सर्किल स्थित पिंक सिटी प्रेस क्लब के सामने एक निर्माणधीन इमारत से पाइप नीचे आ गिरा। इस हादसे में रोड पर खड़े कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। कई वाहनों के शीशे टूट गए। वहीं हादसे में एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना भी है। हादसे के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन की।

सीएम ओएसडी के बयान पर ध्यान देने की जरूरत: पायलट

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में कांग्रेस की करारी हार के बाद कांग्रेस के नेताओं में गुटबाजी फिर नजर आने लगी है। टोंक विधायक सचिन पायलट ने सीएम के ओएसडी लोकेश शर्मा के बयान पर विचार करने को कहा है।

उन्होंने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री के सलाहकार का बयान देखा है। उन्होंने जो स्टेटमेंट दिया है, वह आश्चर्यजनक है। वो इसलिए कि बयान मुख्यमंत्री के ओएसडी का है।

चिंता का विषय भी है। पूरी उम्मीद है कि पार्टी कहीं न कहीं इस पर ध्यान देगी कि यह क्यों कहा गया? क्या सच है, क्या झूठ है? पायलट अपने बयान में आगे कहा कि हम लोग चाहते थे कि सरकार दोबारा बने।

इसके लिए हम सब लोगों ने जितना हो सके पूरी ताकत लगाकर काम किया फिर भी हम कामयाब नहीं हो सके। इसके कारणों को तलाशना होगा। गौरतलब है कि सीएम के विशेषाधिकारी लोकेश शर्मा ने रविवार को पार्टी की हार के लिए सीएम अशोक गहलोत को जिम्मेदार ठहराया था।

परिणामों को लेकर 45 दिन में अपील

बेधड़क, जयपुर। प्रदेश में विधानसभा चुनावों के परिणामों के बाद प्रत्याशी यदि संतुष्ट नहीं होता है तो 45 दिन में हाई कोर्ट में अपील कर सकते हैं। सोमवार को निर्वाचन विभाग ने मतगणना के बाद ईवीएम मशीनों को 45 दिनों तक स्ट्रॉन्ग रूम में सुरक्षित रखा गया है। 45 दिनों तक कोई अपील नहीं होने पर ईवीएम मशीनों के रिकॉर्ड को डिलीट किया जाएगा। गौरतलब है कि इन मशीनों को 45 दिनों के बाद आगामी लोकसभा चुनावों के मतदान के उपयोग में लिया जाएगा।

चुनाव में शिकस्त का साइड इफेक्ट: प्रदेश कांग्रेस कमेटी में बदलाव की सुगबुगाहट

गोविंद सिंह डोटासरा की जगह ले सकते हैं सचिन पायलट

- लोकसभा चुनाव-2024 तक खोई प्रतिष्ठा हासिल करने का प्रयास

बेधड़क | कोटा

कांग्रेस की प्रदेश के विधानसभा चुनाव में हुई करारी हार के बाद पार्टी कई बड़े निर्णय ले सकती है। अब विपक्ष में बैठने की तैयारी कर रही कांग्रेस में पीसीसी का मुखिया बदलने की चर्चा शुरू हो गई है। मंगलवार को विधायक दल की बैठक में फैसला होगा।

अलबत्ता, चर्चा है कि प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा को नेता प्रतिपक्ष बनाया जा सकता है, जबकि सचिन पायलट को एक बार फिर प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी जा सकती है। गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव-2018 में कांग्रेस की सरकार बनने में पूर्वी राजस्थान के जिलों में भाजपा की तुलना में मिली अधिक सीटें अहम

कारण थीं। पायलट को गहलोत से बड़ी जीत मिली है। सचिन पायलट टोंक से 29 हजार 475 वोटों से जीते। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरदारपुरा से 26 हजार 396 वोटों से जीते। हालांकि दोनों की ही जीत का अंतर पिछले चुनाव से कम है। वैसे, गत चुनाव में भी पायलट गहलोत से अधिक मतों के अंतर से जीतने में कामयाब हुए थे।

मोदी भी उठा गए पायलट से हुए अन्याय की बात

सचिन पायलट की उपेक्षा के मुद्दे को लेकर गुर्जर बाहुल्य क्षेत्र में इस बार कांग्रेस में विरोध रहा। और तो और, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इन क्षेत्रों में सचिन पायलट और राजेश पायलट के साथ हुए कथित अन्याय को मुद्दा बना गुर्जरों के गुस्से को भड़काया था, लेकिन कांग्रेस उसे भांप नहीं पाई थी। गत चुनाव में भरतपुर जिले में 7 में से 4 पर कांग्रेस विधायक थे। दो बसपा से जीतकर कांग्रेस में शामिल हो गए थे। इस बार कांग्रेस को 7 में से केवल 2 सीट मिली है। गत चुनाव में करौली जिले की सभी 4 सीटों पर कांग्रेस का कब्जा था। इस बार उसे सिर्फ 2 पर संतोष करना पड़ा है। भाजपा में टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर भाजपा में शामिल हुए गुर्जर नेता जीतने में कामयाब हो गए है।

इन क्षेत्रों में भी चला अंडर करंट

गत चुनाव में सवाई माधोपुर जिले की चारों सीटों पर कांग्रेस का कब्जा था। इस बार उसे केवल दो सीट मिली है। गत चुनाव में दौसा जिले की पांच में से चार सीट पर कांग्रेस का कब्जा था और तीन विधायक मंत्री थे। इस बार कांग्रेस केवल एक सीट दौसा जीत पाई है। गत चुनाव में अलवर जिले की 11 सीट में से पांच पर कांग्रेस, दो पर भाजपा, दो पर निर्दलीय, दो पर बसपा से विधायक जीते थे जो बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए। इस बार सात पर कांग्रेस और चार सीटों पर भाजपा को जीत मिली है।

नाराजगी दूर करने की कोशिश

कांग्रेस एक बार फिर गुर्जर मतदाताओं को अपने पक्ष में लाना चाहती है। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि पायलट की उपेक्षा किए जाने से गुर्जर समाज में जो नाराजगी आई, उसको कांग्रेस पायलट को चुनाव में अहम चेहरा बनाकर दूर कर सकती थी, लेकिन ऐसा नहीं किए जाने से गुर्जर समाज भाजपा के पक्ष में चला गया।

15वीं राजस्थान विधानसभा भंग

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विधानसभा चुनाव के बाद 15वीं राजस्थान विधानसभा भंग हो चुकी है। बताया जा रहा है, कि 4 दिसंबर से भंग के आदेश प्रदेश के राज्यपाल कलराज मिश्र ने दिए हैं। राजस्थान में विधानसभा चुनाव 2023 में BJP के बड़ा बहुमत हासिल हुआ है।

पहले कयास लगाए जा रहे थे, कि सूबे में इस बार बीजेपी को कड़ी टक्कर मिलेगी, लेकिन मदगणना शुरू हो से क्लोजिंग तक ऐसा कहीं दिखाई नहीं दिया, कि भाजपा संघर्ष कर रही है।

वहीं, इस इलेक्शन में राजस्थान की गहलोत सरकार के कई मंत्रियों को भी अपनी सीट गंवानी पड़ी। इसी का नतीजा रहा, कि प्रदेश में बीजेपी को 115 सीटों पर विजय मिली। चुनाव में कांग्रेस दूसरे नंबर पर रही।

जरूरी खबर

नए MLA को जयपुर में अस्थाई आवास की सुविधा

जयपुर। सोलहवीं राजस्थान विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायक जिनके पास जयपुर में राजकीय आवास की सुविधा उपलब्ध नहीं हैं। उनके लिए रहने के लिए जयपुर में चार स्थानों पर अस्थाई आवास की व्यवस्था की गई है। इसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग के माध्यम से व्यवस्था की गई है। राजस्थान विधानसभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा ने बताया कि जयपुर में सर्किट हाउस, हरिशचन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान, इंदिरा गांधी पंचायतीराज संस्थान और डाक बंगला में नवनिर्वाचित विधायक के लिए आवास व्यवस्था आरक्षित की है। इन सभी स्थानों पर नवनिर्वाचित विधायक की सुविधा के लिए विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों व कर्मचारियों को भी पदस्थापित किया गया है।

मंत्रियों के पास लगे अफसरों को किया एपीओ

जयपुर। प्रदेश में भाजपा को बहुमत मिलने के बाद सरकार गठन की तैयारियां चल रही है। इस बीच ब्यूरोक्रेसी ने भी नई सरकार से कदमताल करने के लिए अधिकारियों के चेहरे चुनने का विकल्प दे दिया है। कार्मिक विभाग ने सोमवार को मंत्रियों, राज्य मंत्रियों के यहां विशिष्ट सहायक लगे आरएएस व सचिवालय सेवा के अधिकारियों के एपीओ आदेश जारी कर दिए। जिससे की आने वाली सरकार अपनी पसंद के अधिकारी अपने साथ लगा सके। आदेश में राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी जो विशिष्ट सहायक/निजी सचिव के पदों पर मंत्री/राज्यमंत्री/ संसदीय सचिव के यहां पदस्थापित है। उन्हें तुरंत प्रभाव से एतद्वारा पदस्थापन आदेशों की प्रतीक्षा में लिया जाकर निर्देशित किया जाता है। वे अपनी उपस्थिति प्रमुख शासन सचिव, कार्मिक विभाग, जयपुर के कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे।

मौसम: आगामी दो-तीन दिन मावठ होने की संभावना, तापमान में भी आएगी गिरावट

सर्द हवाओं से जयपुर में बढ़ी ठिठुरन, आज बारिश के आसार

बेधड़क | जयपुर

उत्तरी सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने आज कई इलाकों में बारिश होने की संभावना जताई है। इससे तापमान में दो से तीन डिग्री की कमी आ सकती है। प्रदेश में पिछले दो-तीन से हो रही बारिश से जहां एक ओर किसानों के चेहरे पर खुशी दिखाई दे रही है, वहीं मौसम विभाग ने मंगलवार को राजधानी सहित कई जिलों में बारिश होने का अनुमान जताया है। साथ उत्तरी क्षेत्र में बर्फबारी होने से तापमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट होगी, साथ ही आगामी दो-तीन दिन मावठ पड़ेगी।

दो से तीन डिग्री पारा गिरने की संभावना

मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि पिछले दो-तीन से एक नया कमजोर पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हुआ है। इसके प्रभाव से राज्य में बादल छाने और उदयपुर, अजमेर, कोटा और जयपुर संभाग में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। आगामी 2-3 दिन में कहीं-कहीं घना कोहरा और न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री गिरावट होने की संभावना है। सोमवार को भी राजधानी के कुछ इलाकों में हल्की बारिश हुई, जिससे लोगों को सर्दी का और अधिक अहसास हुआ।

प्रदेश में तूफान का असर नहीं

मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान मैचोंग का प्रदेश में असर नहीं होगा। इसके कारण राजधानी में आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहेगा। हालांकि आगामी 48 घंटों में उत्तरी हवाओं के प्रभाव से न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने और कहीं-कहीं हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा भी दर्ज होने की संभावना है।

मावठ से फूलों की खेती को फायदा

जयपुर के आसपास के ग्रामीण इलाकों में भी मावठ होने से फसल को फायदा पहुंच रहा है। दिल्ली रोड पर कई इलाकों में होने वाली फूलों की खेती को भी ओस पड़ने और मावठ होने से फायदा मिल रहा है। इससे मंडी में विभिन्न प्रकार के फूलों की बंपर आवक हो रही है।

मुहाना थाने की कार्यशैली पर उठने लगे सवाल

पुलिस बोली-नई सरकार के बाद करेंगे केस इन्वेस्टिगेशन

- पुलिस ने जानलेवा हमले की धारा के बजाय मारपीट का मामला किया दर्ज
- गिरफ्तारी के बजाय आठ दिन से आरोपियों के खिलाफ नहीं लिया कोई एक्शन

ओमप्रकाश शर्मा | बेधड़क

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की मुहाना थाना पुलिस की शराब माफियाओं से मिलीभगत करने का नया कारनामा सामने आया है। अवैध शराब माफियाओं ने तीन युवकों पर सरियों व डंडों से जानलेवा हमला कर दिया और नकदी व सोने की चेन लूट ले गए। पुलिस आठ दिन से बदमाशों के खिलाफ गिरफ्तारी की कार्रवाई करने के बजाय पीड़ितों को यह कहकर टाल रही है कि सरकार बनने के बाद मामले की जांच करेंगे, जबकि तीन युवकों के सिर पर गंभीर चोटें आई है।

वहीं, एक युवक की टांग तोड़ दी है। पुलिस ने सूचनों पर तीनों युवकों का मेडिकल कराना भी उचित नहीं समझा। चौंकाने वाली बात यह है कि हमले में गंभीर चोटें लगने के बाद भी पुलिस ने एफआईआर सामान्य मारपीट की धारा 323 व 341 आईपीसी में दर्ज कर ली, क्योंकि मेडिकल नहीं हुई है, जबकि ऐसी गंभीर चोट लगने पर पुलिस को आईपीसी की धारा 307 व 326 के साथ में लूट की धाराओं में दर्ज करनी थी। ऐसे में मुहाना थाना पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। परिवादी सत्यनारायण का आरोप है कि आरोपी एक शराब ठेकेदार के रिश्तेदार है। जो अवैध शराब का काम करते है। शराब ठेकेदार का मुहाना थाने के पुलिसकर्मियों के साथ में उठना-बैठना होता है।

ऐसे में मिलीभगत के कारण पुलिस आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है और आरोपियों को बचाने के लिए परिवादी पर एसटी-एसटी के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया।

> दोनों पक्षों की ओर से मामला दर्ज हुआ है। जांच कर रहे हैं। इसके बाद आगे की कार्रवाई और गिरफ्तारी करेंगे। अब मेडिकल रिपोर्ट भी आ जाएगी, उसके बाद में कार्रवाई करेंगे।
>
> **अभिषेक शिवहरि,** एसीपी, मानसरोवर

नहीं लगाई धारा

पीड़ित राधेश्याम के सिर पर 14, ओमप्रकाश के सिर पर 7 और सोनू के सिर पर 3 टांके आए हैं। हमलावरों ने ओमप्रकाश का पैर भी तोड़ दिया। गंभीर चोट के बाद भी जानलेवा व लूट की धारा नहीं लगाना, कई सवाल खड़े कर रहा है।

जिम बंद कर घर जा रहे थे, रास्ते में हुआ हमला

पड़ताल में सामने आया कि मुहाना निवासी टीचर राधेश्याम जिम बंद करके 28 नवंबर को अपने घर जा रहा था। रास्ते में उसकी बाइक के सामने ने कुछ बदमाशों ने शराब के नशे में गाड़ी लगा दी। इस पर राधेश्याम की बदमाशों से कहासुनी हो गई। इस दौरान राधेश्याम को भतीजा सोनू वहां से गुजर रहा था। सोनू ने बीच-बचाव किया तो आरोपियों ने राधेश्याम व सोनू पर डंडों व सरियों से हमला बोल दिया। सोनू वहां से भागकर कुछ दूरी पर अपने घर पर गया और चाचा ओमप्रकाश को सूचना दी। सूचना पर राधेश्याम को बचाने ओमप्रकाश आया तो बदमाशों ने ओमप्रकाश पर भी हमला कर दिया। हमले में राधेश्याम, सोनू व ओमप्रकाश के सिर पर गंभीर चोटें आई, जबकि बदमाशों ने ओमप्रकाश का पैर तोड़ दिया। हंगामे को देखकर आस-पास के लोग मौके पर आए तो बदमाश वहां से भाग गए। तब घायलों के भाई सत्यनारायण ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। पुलिस ने सामान्य मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज करके केवल खानापूर्ति कर ली । अब पीड़ित पुलिस कमिश्नरेट के चक्कर लगा रहे हैं।

पदभार में पहुंचे चुनिंदा पार्षद

तीसरी बार मुनेश ने संभाली हेरिटेज मेयर की कुर्सी

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान हाई कोर्ट के निर्देश के बाद मुनेश गुर्जर ने हेरिटेज नगर निगम में महापौर की कुर्सी फिर से संभाल ली हैं।

मुनेश अपने कार्यकाल में तीसरी बार फिर से महापौर पद पर काबिज हुई। मेयर का पद पिछले 74 दिनों से खाली चल रहा था। सोमवार को मुनेश गुर्जर अपने समर्थकों के साथ निगम ऑफिस पहुंचीं। इस दौरान मुनेश के समर्थन में जमकर नारे लगाए। हालांकि उनके पदभार ग्रहण में कांग्रेस के अधिकतर पार्षद नहीं पहुंचने से चर्चाओं का बाजार एक बार फिर से गर्म हो गया। गौरतलब है कि हेरिटेज के पार्षद मनोज मुद्गल ने उनके फिर पार्षद बनने पर 36 पार्षदों का विरोध बताया था और सामूहिक इस्तीफे की धमकी दे डाली थी।

नई सरकार का असर निगम बोर्ड पर नहीं

मेयर का पदभार ग्रहण करने के बाद मुनेश गुर्जर ने कहा कि प्रदेश में नई सरकार आई है। जीतने वाला व्यक्ति सर्वश्रेष्ठ होता है। ऐसे में हमारी जो भी कमियां रही है, उसका आकलन करेंगे। नई सरकार का असर नगर निगम बोर्ड पर नहीं रहेगा। पूर्ण बहुमत हमारे पास में है। सभी पार्षद मिलजुल कर जयपुर की सेवा के लिए काम करेंगे। इससे पहले भी हमने जयपुर के विकास में कोई कमी नहीं रखी है। प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के बाद ऐसा भी माना जा रहा है कि महापौर पाला बदल सकती हैं और चुनिंदा पार्षदों के साथ भाजपा ज्वॉइन कर सकती हैं। हालांकि, अब तक इस मामले में कोई भी सीधे पर बोलने से बच रहा है।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खब़र, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

पुलिसकर्मियों पर किया था हमला

इनामी बदमाश को दबोचा

बेधड़क | जयपुर

पुलिस मुख्यालय की सीआईडी क्राइम ब्रांच ने ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके में स्थानीय पुलिस के सहयोग से 10 हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी सरपंच पति मुबीन मेव पुत्र गफूर खान (42) एक साल से पुलिस को चकमा दे रहा था। आरोपी ने बीकानेर से अलवर कानून व्यवस्था ड्यूटी में आए पुलिस कर्मियों पर जानलेवा हमला किया था। इसके बाद से वह फरार चल रहा था।

मामले में एडीजी क्राइम दिनेश एमएन ने बताया कि सीआईडी क्राइम ब्रांच की स्पेशल टीम लगातार इनामी बदमाश की तलाश कर ही थी। पुलिस टीम के सदस्य हेड कांस्टेबल रविंद्र सिंह को सूचना मिली कि थाना एनईबी का हिस्ट्रीशीटर मुबीन खान रविवार को जयपुर आ रहा है। इस पर पुलिस टीम को तैयार किया गया। आरोपी के संभावित स्थानों को चिह्नित किया गया। ट्रांसपोर्ट नगर पुलिस टीम की मदद से आरोपी हिस्ट्रीशीटर मुबीन खान को डिटेन किया गया। आरोपी के खिलाफ 16 आपराधिक रिकॉर्ड हैं।

शादी समारोह में की शिरकत...दी शुभकामनाएं

जयपुर। जयपुर के जेडी माहेश्वरी परिवार द्वारा आयोजित विवाह समारोह कार्यक्रम में सच बेधड़क मीडिया ग्रुप के फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ विनायक शर्मा ने शिरकत कर नव दंपती दिव्यांश और निकिता को बधाई दी... इस दौरान वाइस प्रेसिडेंट कार्तिक शर्मा और डिजिटल हेड रवि कुमार भी विवाह समारोह में शामिल हुए।

समर्थक विधायकों से मुलाकात

वसुंधरा राजे से मिलने पहुंचे MLA, पूर्व सीएम ने भी फोन पर दी बधाई

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में विधानसभा चुनावों के परिणामों के बाद अब सियासी रण शुरू हो गया है। भाजपा के बहुमत के बाद अब विधायक दिग्गज नेता को मुख्यमंत्री बनाने को लेकर लामबंध होना शुरू हो गए हैं। गौरतलब है कि भाजपा बहुमत में आने के बाद सरकार बनाने को लेकर दिल्ली में हाईकमान की बैठक भी हुई।

सोमवार को दिल्ली में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से उनके निवास पर मुलाकात की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ बीजेपी के प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह भी थे। इसके साथ ही बीजेपी के कई वरिष्ठ नेता और सांसद भी दिल्ली पहुंच चुके हैं। हालांकि अभी तक बीजेपी की ओर से मुख्यमंत्री का नाम तय नहीं किया गया है और ना ही अभी विधायक दल की बैठक बुलाने को लेकर कोई समय निर्धारित हुआ है।

इस बीच सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हुई है कि प्रदेश का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? सियासी हलकों में उठ रहे सवालों के बीच सिविल लाइंस 13 नंबर बंगले पर हलचल बढ़ गई है। सोमवार देर रात तक 30 से अधिक विधायकों ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से मुलाकात की। वहीं समर्थक 47 विधायकों की मुलाकात होने का दावा कर रहे हैं।

वसुंधरा को सीएम बनाने की मांग

सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के आवास पर आए नवनिर्वाचित विधायकों में रामस्वरूप लांबा ने कहा कि वसुंधरा राजे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता के लिए काम किया हैं। सभी विधायक वसुंधरा राजे के साथ हैं और वसुंधरा राजे ने जनता के हित में कई योजनाएं चलाई थीं। ऐसे में वसुंधरा को ही सीएम बनाया जाना चाहिए। वहीं गोपीचंद मीणा ने कहा कि हमारी और जनता की यही जन भावना है। वसुंधरा राजे के नेतृत्व में मेवाड़ में अपार जनसमर्थन मिला हैं। जनता की भावना के अनुसार ही निर्णय लिया जाए। विधायक बहादुर सिंह कोली ने कहा कि वसुंधरा राजे को ही सीएम बनाना चाहिए। हम उनको मजबूत करने के लिए आए हैं। उन्होंने कहा कि विधायक दल की बैठक में भी हम अपनी बात रखेंगे। विजय सिंह चौधरी ने कहा कि जनता चाहती है वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री बने। वसुंधरा राजे अच्छी सीएम साबित होगी। पहले भी काम किया है।

ये विधायक मिले

सोमवार को 13 सिविल लाइंस बंगले पर विजय सिंह चौधरी, मंजू बाघमार, बहादुर सिंह कोली, गजेंद्र सिंह खींवसर, कालीचरण सराफ, रामसहाय वर्मा, समाराम गरासिया, बाबू सिंह राठौड़, प्रेमचंद बैरवा, गोविंद रानीपुरीया, ललित मीणा , कंवरलाल मीणा,राधेश्याम बैरवा, कालूलाल मीणा, केके विश्नोई, विक्रम बंशीवाल, भागचंद टाकड़ा, रामस्वरूप लांबा, प्रताप सिंह सिंघवी, शंकर सिंह रावत, पुष्पेंद्र सिंह राणावत, शत्रुघ्न गौत्तम सहित 30 से अधिक विधायकों ने मुलाकात की। वहीं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, पूर्व मंत्री राजपाल शेखावत ने भी मुलाकात की।

जरूरी खबर

बालकनाथ बोले... अपराधी चले जाएं राज्य से बाहर

अलवर। जिले की तिजारा सीट से जीत दर्ज करने के बाद भाजपा नेता बाबा बालकनाथ रविवार देर रात 12 बजे भिवाड़ी पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं ने उनका जोशीला स्वागत किया। इस दौरान बाबा बालकनाथ ने पुलिस व प्रशासन को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अब इलाके में चोरी-चकारी, लूट-डकैती बंद हो जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि अपराधियों से कह दो कि राजस्थान से बाहर चले जाएं। बाबा बालकनाथ के पहुंचने की सूचना पर उनके स्वागत के लिए लोग देर रात तक सोसाइटी और सड़कों पर डंटे रहे।

सिरोही: महिला पुलिस दोपहिया वाहन गश्त शुरू

सिरोही। बालिकाओं व महिलाओं की सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने सख्ती से कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके तहत शहर में महिला पुलिस दुपहिया वाहन गश्त का संचालन शुरू किया गया है। सोमवार को डीएसपी ने हरी झंडी दिखाकर गश्ती दल को किया रवाना किया। महिला पुलिस गश्ती दल क्षेत्र में महिला सुरक्षा को लेकर अपराधी और शरारती तत्वों पर पैनी नजर रखेगा। सुबह 9 से शाम 7 बजे तक गश्ती दल इलाके में निगरानी करेगा। मदद के लिए हेल्पलाइन 9530431405 पर करना संपर्क किया जा सकता है। इस मौके पर थानाधिकारी बलभद्र सिंह व पुलिस के जवान रहे मौजूद रहे।

आठ लाख के 20 मोबाइल बरामद, 5 शातिर गिरफ्तार

अजमेर। दरगाह थाना पुलिस ने भीड़ का फायदा उठाकर मोबाइल चोरी करने वाले 5 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से 8 लाख रुपए के 20 ब्रांडेड मोबाइल बरामद किए गए हैं। सीसीटीवी फुटेज से बदमाशों को चिह्नित किया गया। पकड़े गए बदमाशों में अजमेर निवासी गयासुद्दीन (29), गुलाब सिंह (62), सद्दाम हुसैन (22), अजीम खान (20) और चांद मोहम्मद (23) को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से विभिन्न कंपनियों के महंगे मोबाइल बरामद किए हैं। आरोपी भीड़ में घुसकर मोबाइल चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।

दिग्गज धराशायी: 28 में से भाजपा को 17, कांग्रेस को 7, बीएपी को 3 और निर्दलीय को एक सीट मिली

‘सत्ता के द्वार’ मेवाड़ को फतह कर प्रदेश में BJP बनी सिरमौर

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान की राजनीति में सत्ता का द्वार कहे जाने वाले मेवाड़-वागड़ को फतह करने के साथ ही भाजपा प्रदेश में सिरमौर बनी है। एक बार फिर से प्रदेश की राजनीति में मेवाड़ सत्ता का द्वार बनकर उभरा है। भाजपा ने 28 विधानसभा सीटों वाले मेवाड़-वागड़ में 28 सीटों में से 17 सीटों पर जीत का परचम फहराया है वहीं कांग्रेस ने 7 सीटें जीती है। इसके अलावा बीएपी 3 और एक निर्दलीय प्रत्याशी ने भी जीत दर्ज की है। मेवाड़ की राजनीति में इस बार यह भी खास बात रही कि यहां जनता ने कई बड़े दिग्गजों को धराशायी कर दिया। कांग्रेस-भाजपा के बड़े दिग्गज नेताओं को भी पराजय का सामना करना पड़ा। गौरतलब है कि राजस्थान में मेवाड़ 'सत्ता का द्वार' कहलाता है। आजादी के बाद से अब तक जिस पार्टी ने मेवाड़ में सर्वाधिक सीट हासिल की, उसने प्रदेश पर राज किया, लेकिन 2018 में यह मिथक टूटा हुआ नजर आया। जब कांग्रेस के मुकाबले भाजपा ज्यादा सीटें लेकर आई फिर भी उसकी सरकार न बन पाई। इस बार के सियासी रण में भाजपा और कांग्रेस दोनों ने ही मेवाड़ को साधने में कोई कसर

कई दिग्गजों ने जनता ने घर बैठाया

मेवाड़ के 28 विधानसभा सीटों के पांच जिलों में जनता ने कांग्रेस के कई दिग्गजों को घर बैठा दिया। राजसमंद जिले में चार विधानसभा सीटों पर भाजपा ने कांग्रेस पटखनी दी। नाथद्वारा विधानसभा सीट से विधानसभा अध्यक्ष और कांग्रेस के कद्दावर नेता सीपी जोशी को हार का सामना करना पड़ा। जोशी को विश्वराज सिंह मेवाड़ के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा। राजसमंद विधानसभा सीट पर दिप्ती माहेश्वरी ने जीत दर्ज करते हुए न सिर्फ अपने प्रतिद्वंदियों को बल्कि अपनी ही पार्टी से बगावत करने वालों पर एक करारा तमाचा मारा है। उधर चित्तौड़गढ़ विधानसभा सीट से चंद्रभान सिंह आक्या का टिकट काटना भाजपा को भारी पड गया। पार्टी से बगावत कर निर्दलीय चुनाव लड़े चंद्रभान सिंह आक्या को जनता ने दिल खोलकर समर्थन दिया। इसके चलते भाजपा के नरपत सिंह राजवी को करारी हार का सामना करना पड़ा। और विधानसभा क्षेत्र में वे तीसरे नंबर पर रहे। वहीं निंबाहेड़ा विधानसभा सीट से गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री उदयलाल आंजना को भी हार मुहं देखना पड़ा।

राष्ट्रीय प्रवक्ता भी नहीं निकाल पाए सीट

उदयपुर शहर विधानसभा सीट से कांग्रेस ने अपने राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ को मैदान में उतारा था लेकिन गौरव वल्लभ भी भाजपा के अभेद किले को भेदने में कामयाब नहीं हो सके। उन्हें भाजपा के ताराचंद जैन से करारी शिकस्त मिली। कांग्रेस के एक और कद्दावर नेता रघुवीर मीणा को फिर से हार का सामना करना पड़ा। गोगुन्दा में भाजपा के प्रतापलाल भील को 87,827 मत प्राप्त हुए। उन्होंने नजदीकी प्रतिद्वंदी कांग्रेस के डॉ. मांगीलाल गरासिया को 3665 मतों से हराया। डॉ. गरासिया को 84,162 मत प्राप्त हुए। तीसरे नंबर पर बीएपी के उदयलाल भील रहे। उन्हें 8094 वोट मिले।

झाडोल में बिगड़ी प्रत्याशियों की गणित

झाडोल सीट पर भाजपा के बाबूलाल को 76,537 मत मिले। कांग्रेस के हीरालाल दरांगी 6488 मतों से हारे। दरांगी को 70049 मत प्राप्त हुए। बीएपी के दिनेश पांडोर 44503 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। वहीं बसपा के निमालाल को 4126, माकपा के प्रेमचंद को 4539, बीटीपी के देवविजय को 4204, निर्दलीय प्राची मीणा को 2117, लादुराम को 2425 व शांतिलाल को 3758 मत मिले। यहां 6488 लोगों ने नोटा का उपयोग किया।

कोटा की 6 विस सीटों पर मुख्य दलों के प्रत्याशियों को ही तवज्जो

निर्दलीयों पर नोटा भारी, भाजपा-कांग्रेस में ही रहा सीधा मुकाबला

बेधड़क | कोटा

हाड़ौती संभाग में कोटा जिले की छह विधानसभा सीटें ऐसी रही जहां दोनों मुख्य दलों के अलावा अन्य कोई प्रत्याशी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका। भाजपा-कांग्रेस के अलावा अगर निर्दलीय प्रत्याशियों की बात करें तो यहां जनता ने केवल भाजपा-कांग्रेस के प्रत्याशियों को ही तवज्जों दी है। इन छह सीटों पर मतदाताओं ने नीर्दलीय प्रत्याशियों को पूरी तरह से नकार दिया है। एक हजार वोटों का आकंड़ा भी बहुत कम निर्दलीय प्रत्याशी जुटा पाए हैं।

काउंटिंग के दौरान यह भी सामने आया कि सभी विधानसभा क्षेत्रों में पार्टियों के प्रत्याशियों के अलावा सबसे ज्यादा वोट नोटा को मिले। जनता को अगर प्रत्याशी पसंद नहीं आए तो उन्होंने नोटा का बटन दबाया। नोटा में जितने वोट पड़े हैं उतने किसी भी विधानसभा सीट पर चुनाव लड़े निर्दलीय वोट हासिल नहीं कर सके। जिला निर्वाचन अधिकारी एमपी मीना ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र पीपल्दा से कांग्रेस को 89 हजार 281 वोट तो भारतीय जनता पार्टी को 68 हजार 276 वोट मिले। इसके बाद निर्दलीयों में दिलीप कुमार को 1348, श्याम लाल को 1387, महावीर शर्मा को 557, प्रेमशंकर नागर को 689 मत मिले हैं। वहीं नोट में 1624 वोट गए हैं।

कांग्रेस राज में हुए अत्याचार-अनाचार की करेंगे समीक्षा: दिलावर

रामगंजमंडी विधानसभा सीट से पूर्व मंत्री और और भाजपा प्रत्याशी मदन दिलावर एक बार फिर जीत हासिल हुई। जनता ने उन्हें दिल खोलकर वोट दिए। मदन दिलावर ने अपने नजदीकी कांग्रेस उम्मीदवार महेंद्र राजोरिया को 18,422 वोटों से शिकस्त दी। दिलावर को खुद 103,504 वोट मिले, जबकि महेंद्र राजोरिया को 85,082 वोट मिले हैं। दिलावर ने चुनाव जीतने के बाद सोमवार को जेडीबी कॉलेज में मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम जब विपक्ष में थे, तब हुए अत्याचार व अनाचारों की समीक्षा हमारी सरकार में की जाएगी। उन्होंने धारीवाल के सेकुलर फोर्सेज से भाजपा की जीत वाले बयान पर कहा कि संविधान में सेकुलर नाम का शब्द नहीं है, कांग्रेस गलत बात करती है।

इन सीटों पर मतदाताओं ने नोटा का किया ज्यादा उपयोग

सांगोद: भाजपा को 93 हजार 435 वोट तो कांग्रेस को 67 हजार 849 वोट मिले। निर्दलीयों में प्रभुलाल को 1622, राकेश कुमार 1065, रामावतार वर्मा को 1531, दीपक मेघवाल को 683 वोट मिले लेकिन नोटा में 1320 वोट गए।

कोटा उत्तर: कांग्रेस को 94 हजार 899 वोट तो भारतीय जनता पार्टी को 92 हजार 413 मत मिले। वहीं अन्य में भीम सिंह कुंतल को 811, तरूण को 463, सैफुल्लाह को 860, योगेश कुमार शर्मा को 420, सोहनलाल को 244 वोट मिले वहीं 1661 वोट नोटा में गए।

कोटा दक्षिण: भारतीय जनता पार्टी को 95 हजार 393 वोट तो कांग्रेस को 83 हजार 431 वोट मिले। अन्य में डॉ. कृष्णानंद शर्मा को 1085, इरशाद अहमद को 381, ओमप्रकाश साक्यवाल को 140, पिंटू बजरंगी को 165, मोहम्मद फरीद को 178, हनुमान मीणा को 342, हबीबुल्ला को 357 वोट मिले लेकिन 1720 वोट नोटा में गए।

लाडपुरा: भारतीय जनता पाटी को एक लाख 21 हजार 248 मत मिले। कांग्रेस को 95 हजार 726 वोट मिले। अन्य में हरीश को 917, उच्छबलाल को 976, घनश्याम जोशी को 290, दिनेश कुमार शर्मा को 240, भवानी सिंह राजावत को 721, मोहम्मद रफीक को 847 वोट मिले। वहीं 2440 मत नोटा में गए।

रामगंजमंडी: भारतीय जनता पार्टी को एक लाख 3 हजार 504 मत मिले तो कांग्रेस को 85 हजार 82 मत मिले। अन्य में डॉ. भारत कुमार मरमट को 2387, देशराज रंगोठा को 1388, मुकेश को 951 वोट मिले। वहीं 2019 वोट नोटा में गए।

1971 के युद्ध की 52वीं वर्षगांठ

बाइक रैली में सेना के 24 जवान करेंगे 700 किमी का सफर

बेधड़क | जोधपुर

जिले में कोणार्क कोर की ओर से 1971 युद्ध की 52वीं वर्षगांठ पर बाइक रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में भारतीय सेना, वायु सेना, नौसेना, बीएसएफ और राजस्थान पुलिस के 24 जवान शामिल हैं। यह टीम तीन दिन में 700 किलोमीटर का सफर तय करेंगी। जोधपुर से जैसलमेर, लौंगेवाला सहित कई स्थानों पर रैली जाएगी।

पीआरओ डिफेंस अमिताभ शर्मा ने बताया कि कोणार्क 'विजय दिवस' के स्मरणोत्सव के रूप में जोधपुर सैन्य स्टेशन से जनरल ऑफिसर कमांडिंग कोणार्क-डेजर्ट कोर ने मोटरसाइकिल रैली को हरी झंडी दिखाई। यह अभियान 1971 में जैसलमेर-रेगिस्तान सेक्टर में पाकिस्तान पर विजय के बाद के 52वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की कड़ी में आयोजित हुआ। तीन दिनों की अवधि में, बाइक सवार पोखरण, श्री मोहनगढ़, धनवार, रामगढ़, तनोट, किशनगढ़, लौंगेवाला और जैसलमेर सहित 700 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करेंगे। मोटरसाइकिल टीम लौंगेवाला और जैसलमेर युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके युद्ध के शहीद नायकों को श्रद्धांजलि देगी। शर्मा ने बताया अभियान के दौरान, सवार वीर नारियों और दिग्गजों के साथ बातचीत सहित विभिन्न आउटरीच कार्यक्रम चलाएंगे।

पौधरोपण भी करेंगे जवान

ग्रीन इंडिया पहल के हिस्से के रूप में, टीम गवर्नमेंट हाई स्कूल धीरपुरा, पोखरण मिलिट्री स्टेशन, तनोट, लौंगेवाला और रास्ते में अन्य स्थानों पर पौधारोपण भी करेगी और साथ ही कोणार्क कोर की निरंतर सेवा को दोहराते हुए स्थानीय लोगों को अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करेगी।

चुनाव डयूटी के बाद विश्राम करने के दौरान हादसा

राइफल चली, SSB जवान की मौत

बेधड़क | सवाई माधोपुर

जिले में चुनाव व मतगणना के दौरान भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। इसी बीच शनिवार को एक हादसा सामने आया। इसमें चुनावी ड्यूटी के दौरान गोली चलने से एक एसएसबी जवान की मौत हो गई।

घटना को लेकर बोली थाने के उपनिरीक्षक रामबाबू ने बताया कि विधानसभा चुनाव को लेकर एसएसबी के जवान बोंली स्थित टैगोर कॉलेज में ड्यूटी कर रहे थे। शनिवार रात को ड्यूटी के दौरान एक एसएसबी जवान की राइफल चल गई। ऐसे में गोली लगने से उसकी मौत हो गई। मृतक जवान की शिनाख्त कुलदीप त्यागी (33) के रूप में हुई है, जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले का रहने वाला था। उसकी चुनावी ड्यूटी के तहत जिले में तैनाती हुई थी। शनिवार रात को विश्राम के दौरान राइफल से चलने से जवान की मौत हो गई।

साथी जवानों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

घटना की सूचना मिलने पर एसएसबी के जवान जिला अस्पताल पहुंचे। जहां मोर्चरी में एडिशनल एसपी हिमांशु शर्मा मौजूद थे। वहीं, एडिशनल एसपी हिमांशु शर्मा व अर्ध सैनिक बल के जवानों और पुलिसकर्मियों ने मृतक जवान को श्रद्धांजलि दी।

ओसियां से भाजपा विधायक के तेवर तल्ख, कहा...

प्रचार में जुटे कार्मिकों पर होगी कार्रवाई

बेधड़क | जोधपुर

जिले की ओसियां विधानसभा सीट से चुनाव जीतने के बाद भाजपा प्रत्याशी भैराराम सियोल ने तल्ख तेवर दिखाए हैं। उन्होंने सरकारी कर्मचारियों-अधिकारियों पर कांग्रेस के समर्थन में चुनाव प्रचार करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की बात कही है।

सियोल ने कहा कि हमारे पास सबूत हैं, ऐसे कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। भैराराम सियोल ने कांग्रेस की दिग्गज उमीदवार दिव्या मदेरणा को हराकर जीत हासिल की हैं। उन्होंने दिव्या मदेरणा को 2807 मतों के अंतर से हराया। सियोल ने सियोल ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों अधिकारियों को किसी भी राजनीतिक पार्टी के चुनाव प्रचार और प्रसार में अपने आप को झोकना आदर्श आचार संहिता का उलंघन हैं। इसके सबूत हमारे पास हैं। समय आने पर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे कर्मचारियों के खिलाफ चुनाव आयोग को कार्रवाई करनी चाहिए।

कई कर्मचारी सरकारी सेवा में होने के बावजूद कांग्रेस का प्रचार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस से जीत का अंतर बड़ा हो सकता था, लेकिन प्रत्याशी ने सरकारी मशीनरी का पूरी तरह से दुरुपयोग किया। उन्होंने प्रत्येक बूथ पर हमारे कई समर्थकों के नाम काटे। उन बूथों की लिस्टों का पूरा क्रम बिखेर दिया। एक परिवार का नाम क्रम में साथ रहता है, लेकिन उनमें दो नाम कहीं तो दो नाम कहीं और जोड़ दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी तंत्र का कांग्रेस ने जमकर दुरुपयोग किया, जो लोग भी इस साजिश में शामिल थे उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करवाएंगे। अपनी जीत को लेकर सियोल ने कहा कि यह जनता व भाजपा की जीत है।

पिछले पांच साल कांग्रेस का कुराज रहा। युवा वर्ग, किसान परेशान हुआ। लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति बिगड़ी। ओसियां क्षेत्र में विकास के नाम पर कोई काम नहीं हुआ। सिर्फ दिखावा और कागजी घोषणाएं हुईं।

समर्थक भी हार से आहत

प्रत्याशियों की हार से निराश कार्यकर्ताओं ने किया आत्महत्या का प्रयास

बेधड़क | अनूपगढ़

राजस्थान में 200 विधानसभा सीटों में से 199 सीटों हुए चुनावों के नतीजे रविवार सामने आ गए हैं। इसमें भाजपा-कांग्रेस के कई दिग्गजों को हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में उनके समर्थकों में भी निराशा देखने को मिली। ऐसा ही एक मामला अनूपगढ़ में सामने आया।

यहां भाजपा प्रत्याशी संतोष बावरी के चुनाव हारने पर उनका एक समर्थक सतपाल बावरी काफी निराश हो गया। उसने अपने ही घर पर फंदा लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया, लेकिन समय रहते लोगों ने उसे फंदा लगाते हुए देख लिया और उसे फंदे से उतार कर तुरंत अस्पताल ले गए। जहां उसकी हालत में सुधार है। सूचना मिलने पर रावला पुलिस भी मौके पर पहुंची।

मामला अनूपगढ़ जिले की रावला मंडी के गांव 12 केडी का है। जानकारी के अनुसार अनूपगढ़ के गांव 12 केडी में सतपाल बावरी (32) पुत्र काशीराम पहले चूनावढ़ के गांव 27 जीजी का रहने वाला है। करीब 9-10 साल से वे अपने परिवार के साथ रावला के गांव 12 केडी में रह रहा है। रविवार दोपहर अपने कुछ दोस्तों के साथ राजस्थान विधानसभा चुनाव के परिणामों को लेकर चर्चा कर रहा था।

अनूपगढ़ विधानसभा से हार की सूचना मिलते ही हुआ परेशान

जैसे ही अनूपगढ़ विधानसभा से संतोष बावरी के हारने की सूचना मिली। सतपाल बावरी परेशान हो गया। इसके बाद सतपाल बाबरी हताश होकर एकदम से दौड़ता हुआ अपने घर पर आया। यहां कमरे की छत पर लगे पंखे पर फंदा लगाकर वह झूल गया। सतपाल बावरी को अचानक ऐसे भागते देख उसके दोस्त भी उसके पीछे भागे। उन्होंने देखा कि सतपाल बावरी फंदे पर झूल रहा है तो उसके दोस्त राजकमल मंडा सहित अन्य दोस्तों ने कमरे का दरवाजा तोड़कर उसे फंदे से नीचे उतारा। सतपाल को रावला के राजकीय अस्पताल ले गए। सूचना मिलने पर एएसआई कमल मीणा भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि सतपाल के परिजनों के द्वारा किसी भी तरह की कोई रिपोर्ट नहीं दी गई है और सतपाल की हालत में सुधार होने के कारण उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

प्रहलाद गुजंल के कार्यकर्ता ने भी की खुदकुशी की कोशिश

कोटा। शिक्षा नगरी कोटा में भी एक भाजपा कार्यकर्ता ने प्रत्याशी की हार से निराश होकर मौत को गले लगाने का प्रयास किया। कोटा उत्तर सीट से कांग्रेस के दिग्गज नेता शांति धारीवाल ने बीजेपी प्रत्याशी प्रहलाद गुंजल को हराया। इससे निराश भारतीय जनता पार्टी के एक कार्यकर्ता ने खुदकुशी करने की कोशिश की। युवक की तबीयत बिगड़ने पर उसे एमबीएस अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया गया है। एमबीएस चौकी पुलिस का कहना है कि इस संबंध में नयापुरा थाना पुलिस को सूचना दी गई है। युवक की तबीयत अभी सामान्य है। नयापुरा थाना पुलिस अस्पताल जाकर युवक का बयान लेकर आगे की कार्रवाई करेगी। कोटा के नयापुरा मुक्तिधाम रोड निवासी

सुरजीत सिंह का कहना है कि वे 10 सालों से प्रहलाद गुंजल से जुड़े हुए हैं। इस बार प्रहलाद गुंजल के जीतने की भी पूरी उम्मीद थी। इसके लिए उन्होंने भी गुंजल के साथ कड़ी मेहनत की, लेकिन वे जीत नहीं सके। गुंजल की हार से वो निराश हो गए। इससे सुरजीत सिंह पूरी तरह से ड्रिपेशन में आ गए थे। गौरतलब है कि कोटा उत्तर से कांग्रेस प्रत्याशी शांति धारीवाल ने प्रहलाद गुंजल को 2486 वोटों से शिकस्त दी है। भाजपा प्रत्याशी गुंजल को 92413 वोट मिले हैं, जबकि शांति धारीवाल को 94899 वोट मिले हैं। भाजपा प्रत्याशी गुंजल ने भी हार के बाद माइनॉरिटी वोटों के चलते हार की बात कही थी, वहीं शांति धारीवाल ने भी माइनॉरिटी वोटों के चलते जीत की बात स्वीकार की थी।

आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर ने की म्यूजिक और एक्टिंग के जरिए टैक्नीकल पेपर प्रजेंटेशन की पहल

क्रिएटिव स्किल्स से मनोरंजक बन रही इंजीनियरिंग की नीरस पढ़ाई

बेधड़क | जयपुर

किसी भी शिक्षा को कला के साथ जोड़ दिया जाए तो उसको समझ पाना विद्यार्थियों के लिए बहुत आसान हो सकता है। इंजीनियरिंग जैसे नीरस विषयों को विद्यार्थियों के दिमाग में स्थाई रूप से पहुंचाने में परफोर्मिंग आर्ट्स की भूमिका को कई बड़े संस्थानों ने समझा है और इसे प्रयोग में भी ला रहे हैं।

आईआईटी दिल्ली के मटीरियल साइंस व इंजीनियरिंग विभाग (डीएमएसई) के एक प्रोफेसर ने इन विषयों के

टैक्नीकल पेपर्स को कला रूपों के साथ जोड़कर तकनीकी शिक्षा में क्रांति लाने की दिशा में एक नया कदम उठाया है। डीएमएसई के प्रो. लक्ष्मी नारायण ने एक प्रयोग के लिए अपने स्नातक थर्ड ईयर के छात्रों को छह-छह स्टूडेंट्स की छह टीमों में विभाजित किया। प्रत्येक टीम को नाटक, संगीत, व्याख्यात्मक डांस शो, मीम्स इत्यादि जैसी रचनात्मक शैलियों का उपयोग करते हुए 'एक्टा मटेरियलिया' पत्रिका में छपा एक टैक्नीकल पेपर पढ़ना और उसे समझाना था।

छात्रों के प्रदर्शन को 20 अंक के मानक से चिह्नित कर पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया। ये अंक 'सामग्री के यांत्रिक व्यवहार' पाठ्यक्रम के ग्रेड में जोड़े गए।

बड़ा फायदा: एआई से जनरेट नहीं कर सकते

प्रो. लक्ष्मी नारायण ने बताया कि रचनात्मक शैलियों के साथ दिया जाने वाला प्रशिक्षण नियमित प्रशिक्षण की तुलना में रचनात्मक मानसिकता को अधिक आसानी से खोलता है। मैं यह देखकर आश्चर्यचकित रह गया कि प्रत्येक टीम ने तकनीकी रूप से शानदार प्रदर्शन किया और इस पर आधारित गाने भी विकसित किए। इसका अतिरिक्त लाभ यह है कि इन प्रदर्शनों को चैट जीपीटी जैसे एआई टूल्स द्वारा क्रिएट नहीं किया जा सकता है। इससे छात्रों में मौलिकता के साथ सब्जेक्ट के विभिन्न टॉपिक्स को समझने-समझाने की क्षमता विकसित होती है। प्रो. लक्ष्मीनारायण ने बताया कि उनकी नई लॉन्च की गई पहल कला, प्रौद्योगिकी और सॉफ्ट स्किल्स को जोड़ती है। मटीरियल इंजीनियरिंग के पारंपरिक रूप से रिसर्च ओरियंटेड माने जाने वाले क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से प्रयोगों की एक श्रृंखला की परिणति है। संस्थान के मटीरियल साइंस विभाग और इंजीनियरिंग संकाय के संयुक्त प्रयास तकनीकी शिक्षा के लिए एक नया दृष्टिकोण प्रदर्शित करते हैं, ट्रेडीशनल टीचिंग मैथड्स को चुनौती देते हैं और जांच, नवाचार और महत्वपूर्ण सोच की संस्कृति का निर्माण करते हैं। डीएमएसई के एचओडी राजेश प्रसाद ने बताया कि विभाग के भीतर विभिन्न शिक्षण विधियों का उद्देश्य तकनीकी शिक्षा की रूढ़िवादी छवि को तोड़ना है। रचनात्मकता, सॉफ्ट स्किल्स और विविध दृष्टिकोणों से हम अपने छात्रों को अपने क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए तैयार कर रहे हैं।

Yuva स्टोरीज

ब्रेन स्टॉर्मिंग सेशन में की पाठ्यक्रम पर चर्चा

बेधड़क. जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग में सोमवार को नवीन उच्च शिक्षा नीति के तहत 'ब्रेन स्टॉर्मिंग सेशन' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गृह विज्ञान विभाग अधिष्ठाता प्रो. सुनीता अग्रवाल ने की। सेशन के दौरान आगामी सत्र के लिए द्वितीय वर्ष व उसके बाद के सत्र के लिए तृतीय वर्ष की पाठ्यक्रम योजना बताई गई। सेशन में संयोजक प्रो. रूबी जैन ने सभी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, सीबीसीएस पाठ्यक्रम (स्नातक स्तर) एवं एलओसीएफ (सीखने के परिणाम संबंधित पाठ्यक्रम की रूपरेखा), एनईपी 2020 व राजस्थानप विश्वविद्यालय के स्नातक स्तर के ढांचे की पाठ्यक्रम योजना के बारे में बताया गया। सेशन में प्रो. कनिका वर्मा, प्रो. शुभा दुबे, प्रो. रेशमा बूलचंदानी, डॉ. केसर चायल, मंजू चौधरी, कविता कच्छावा, डॉ. रागिनी राणावत, सरिता कुमारी मीणा, डॉ. रितु मेहरा, शैलजा मिनोचा, डॉ. रिचा चतुर्वेदी, डॉ. रचना गोस्वामी सहित विभिन्न कॉलेजों से प्रतिभागी शामिल हुए।

NEET-PG परीक्षा 3 मार्च को, जल्द खुलेगी रजिस्ट्रेशन विंडो

बेधड़क. जयपुर। राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) ने नीट पीजी परीक्षा तिथि की घोषणा कर दी है। नीट पीजी परीक्षा 3 मार्च को आयोजित की जाएगी। नीट पीजी 2024 के लिए पंजीकरण एनबीई की आधिकारिक वेबसाइट nbe.edu.in पर आयोजित किए जाएंगे। एनबीई एक विशिष्ट अवधि के लिए नीट 2024 आवेदन फॉर्म विंडो खोलेगा। बोर्ड की ओर से देशभर के 6102 सरकारी, निजी संस्थानों, डीम्ड व केंद्रीय विश्वविद्यालयों में डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (एमडी) की 26,168, मास्टर ऑफ सर्जरी (एमएस) की 13,649 और पीजी डिप्लोमा की 922 सीटों पर प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। नीट पीजी प्रवेश प्रक्रिया के भविष्य के चरणों में किसी भी समस्या से बचने के लिए उम्मीदवारों को नीट पीजी 2024 पंजीकरण फॉर्म में वैध और प्रामाणिक विवरण दर्ज करना होगा। एनबीई उम्मीदवारों के लिए फॉर्म में भरे गए विवरणों को सुधारने के लिए नीट पीजी-2024 संपादन विंडो भी खोलेगा। नीट पीजी-2024 परीक्षा कंप्यूटर आधारित मोड में आयोजित की जाएगी। इसमें उम्मीदवारों को तीन घंटे और तीस मिनट में कुल 200 बहुविकल्पीय प्रश्नों को हल करने होंगे। नीट पीजी 2024 अंकन योजना के अनुसार प्रत्येक सही उत्तर के लिए चार अंक दिए जाएंगे, जबकि प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक अंक काटा जाएगा। एनबीई नीट पीजी रिजल्ट आधिकारिक वेबसाइट nbe.edu.in पर घोषित करेगा जिसमें रोल नंबर और प्राप्त अंकों (800 में से) का उल्लेख होगा। नीट पीजी के पिछले वर्ष के सत्र में 277 शहरों में फैले 902 परीक्षा केंद्रों पर कुल 208898 उम्मीदवार उपस्थित हुए थे। नीट पीजी 2024 स्कोरकार्ड उन स्नातकों के लिए जारी किया जाएगा जो परीक्षा में सफल होंगे। परिणाम की घोषणा के बाद, एमसीसी 50% अखिल भारतीय कोटा (एआईक्यू), 50% राज्य कोटा, 100% डीम्ड/केंद्रीय विश्वविद्यालयों और ईएसआईसी/एएफएमएस संस्थानों में प्रवेश के लिए नीट पीजी-2024 काउंसलिंग आयोजित करेगा। AIQ के कुल 4 राउंड होंगे जिनमें राउंड-1, राउंड-2, मॉप-अप राउंड और स्ट्रे वैकेंसी राउंड आयोजित किए जाएंगे। नीट पीजी काउंसलिंग-2024 के दौरान उम्मीदवारों को पंजीकरण करना होगा, शुल्क का भुगतान करना होगा और अपनी पसंद के पाठ्यक्रम और कॉलेजों को भरना होगा। स्नातकों द्वारा भरे गए विकल्पों, नीट पीजी 2024 रैंक और सीट की उपलब्धता के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा।

बालिकाओं को भी सैनिक स्कूल की 9वीं कक्षा में प्रवेश

म्हारी छोरियां छोरों से कम हैं के?

बेधड़क | जयपुर

म्हारी छोरियां छोरों से कम हैं के ? दंगल फिल्म में जब एक पिता अपनी बेटियों को कमजोर बताने वाले लोगों को ये डायलॉग बोलता है तो सिनेमाहॉल में तालियों की गड़गड़ाहट गूंज उठती है।

सच है, आज की बेटियां बेटों से किसी भी मायने में कम नहीं हैं, फिर चाहे क्षेत्र शिक्षा का हो, कला का हो या इन सबसे बढ़कर देश की रक्षा का। बदलते दौर के साथ-साथ बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ अभियान के तहत बालिका शिक्षा में स्थापित हो रहे नए आयामों की एक नई कड़ी में रक्षा मंत्रालय ने इस वर्ष देश के चुनिंदा सैनिक स्कूलों की कक्षा नौ में भी लड़कियों को प्रवेश देने का निर्णय किया है। इससे अब बेटियां भी स्कूली जीवन से ही सेना के विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित होकर सेना के क्षेत्र में अपना परचम लहरा पाएंगी। सैनिक स्कूलों में इससे पहले कक्षा नौवीं में प्रवेश के लिए केवल छात्र ही पात्र हुआ करते थे।

देश के 33 सैनिक स्कूलों और 19 नए सैनिक स्कूलों में सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए आवेदन मांगे गए हैं जिसके लिए लड़कियां भी आवेदन कर सकती हैं। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन नेशनल टेस्टिंग एजेंसी एआईएसएसईई-2024 का आयोजन करेगी। एनटीए की वेबसाइट पर 16 दिसंबर तक आवेदन किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि देशभर के 33 सैनिक स्कूलों में से 2 स्कूल राजस्थान के झुंझुनूं और चित्तौडगढ़ जिले में संचालित हैं।

इनकी 67 प्रतिशत सीटों पर राजस्थान के विद्यार्थियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। वहीं, 33 फीसदी सीट दूसरे राज्यों के विद्यार्थियों के लिए आरक्षित रहेंगी। इसके साथ ही एससी के लिए 15 फीसदी, एसटी के लिए 7.5 फीसदी, ओबीसी के लिए 27 फीसदी सीट आरक्षित है।

40 फीसदी अंक लाना जरूरी

कक्षा 6 में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली परीक्षा 300 अंकों की व 9वीं की प्रवेश परीक्षा 400 अंकों की होगी। शिक्षक संघ रेसटा के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद ने बताया कि छठी की प्रवेश परीक्षा के लिए 125 व 9वीं की प्रवेश परीक्षा में 150 प्रश्न पूछे जाएंगे। इन बहुविकल्पीय सवालों का जवाब पेपर पेंसिल मोड से ओएमआर शीट पर देना होगा। विद्यार्थियों को पेपर के प्रत्येक विषय में 25 तथा समेकित रूप से न्यूनतम 40 फीसदी अंक लाना जरूरी है।

राज्य के आठ जिलों में बनेंगे परीक्षा केंद्र

राज्य में छठी कक्षा के लिए 200 तथा 9 वीं के लिए 35 रिक्तियां हैं। इन सीटों पर दाखिले के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा 21 जनवरी को अजमेर, बीकानेर, चित्तौड़गढ़, जयपुर, झुंझुनूं, जोधपुर, कोटा और श्रीगंगानगर जिले में बनाए जाने वाले परीक्षा केंद्रों पर होगी।

छठी कक्षा में प्रवेश के लिए अधिकतम आयु सीमा 12 वर्ष व 9 वीं में प्रवेश के लिए 15 वर्ष निर्धारित है। कक्षा छह में प्रवेश के लिए विद्यार्थी की उम्र 31 मार्च 2024 को 10 वर्ष से 12 वर्ष के बीच में होनी चाहिए। नौवीं कक्षा में प्रवेश के लिए विद्यार्थी की उम्र 31 मार्च 2024 को 13 वर्ष से 15 वर्ष के मध्य व मान्यता प्राप्त स्कूल से आठवीं कक्षा उत्तीर्ण होना जरूरी है।

सभी वर्गों के लिए आवेदन शुल्क सामान्य के लिए 650 रुपए व एससी-एसटी वर्ग के लिए 500 रुपए है। आवेदन की अंतिम तिथि 16 दिसंबर शाम 5 बजे तक है व परीक्षा का आयोजन 21 जनवरी 2024 को किया जाएगा। परीक्षा आवेदन में संशोधन 18 से 20 दिसंबर तक किया जा सकेगा।

दूसरी तिमाही में हिमाचल के शहरों में सर्वाधिक बेरोजगारी

अनएंप्लोयमेंट में प्रदेश दूसरे स्थान पर

बेधड़क | नई दिल्ली

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 15 से 29 वर्ष के उम्र समूह के बीच बेरोजगारी में राजस्थान देशभर में दूसरे स्थान पर है। हिमाचल प्रदेश शहरी इलाकों में 33.9 प्रतिशत बेरोजगारी दर के साथ सबसे आगे रहा है। राजस्थान में बेरोजगारी 30.2 प्रतिशत है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) के जुलाई-सितंबर, 2023 तिमाही के लिए श्रमबल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) आंकड़ों से यह तथ्य सामने आया है। इससे यह भी पता चला है कि शहरी क्षेत्रों में 15-29 आयु वर्ग की महिलाओं में बेरोजगारी दर बीती तिमाही में हिमाचल प्रदेश में 49.2 प्रतिशत के साथ सर्वाधिक रही जबकि पुरुषों की बेरोजगारी दर 25.3 प्रतिशत थी। राजस्थान के मामले में इस तिमाही में शहरों में महिलाओं में बेरोजगारी दर 39.4 प्रतिशत थी, जबकि पुरुषों में यह 27.2 प्रतिशत थी। श्रम बल में बेरोजगार लोगों के प्रतिशत के रूप में बेरोजगारी दर को परिभाषित किया जाता है। जम्मू-कश्मीर में भी शहरी इलाकों में इस आयु वर्ग में बेरोजगारी की उच्च दर 29.8 प्रतिशत दर्ज की गई। इस तिमाही के दौरान महिलाओं में बेरोजगारी 51.8 प्रतिशत थी जबकि पुरुषों में बेरोजगारी दर 19.8 प्रतिशत थी। आंकड़ों से पता चलता है कि वर्तमान साप्ताहिक स्थिति के अनुसार देश के शहरों में 15-29 आयु वर्ग में कुल बेरोजगारी 17.3 प्रतिशत थी। सर्वेक्षण से पहले के सात दिनों में गतिविधि की स्थिति को वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) कहा जाता है। आंकड़ों के मुताबिक जुलाई-सितंबर तिमाही 2023 में देश के शहरों में 15-29 आयु वर्ग में कुल बेरोजगारी 22.9 प्रतिशत थी, जबकि महिलाओं में यह 15.5 प्रतिशत थी। देश के 22 राज्यों में किए गए सर्वेक्षण के मुताबिक, इस तिमाही में 15-29 प्रतिशत आयु वर्ग के युवाओं में सबसे कम बेरोजगारी दर गुजरात में 7.1 प्रतिशत थी और उसके बाद दिल्ली में यह 8.4 प्रतिशत थी। एनएसएसओ ने अप्रैल, 2017 में पहला तिमाही आधार पर श्रमबल सर्वेक्षण किया था। इसे हर तिमाही जारी किया जाता है।

मिशन एडमिशन | सरकारी स्कूलों में नई पहल, परीक्षा के कारण नहीं रुकेगी पढाई

एक पारी में परीक्षा, दूसरी पारी में होगी पढ़ाई

बेधड़क | बीकानेर

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अब तक अर्धवार्षिक परीक्षाओं के समय बिना परीक्षा वाली कक्षाओं के लिए रहने वाला छुट्टी का माहौल इस बार बदला नजर आएगा। इस सत्र में राज्य के सरकारी स्कूलों में एक पारी में पढ़ाई होगी व दूसरी पारी में अर्धवार्षिक परीक्षाएं होंगी। इस प्रकार परीक्षाओं के समय शेष विद्यार्थियों का पढ़ाई का नुकसान नहीं होगा।

अब तक प्राइवेट स्कूल में ही एग्जाम के दिन क्लासेज लगती थी, जबकि सरकारी स्कूलों में परीक्षा के दिनों में सिर्फ परीक्षाएं होती थीं। प्रदेश के शिक्षा विभाग ने स्कूल समय का बच्चों की पढ़ाई

में अधिकाधिक प्रयोग हो इसके लिए यह पहल की है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने इस संबंध में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को आदेश जारी किए हैं। इसके साथ ही समान परीक्षा आयोजित करने के लिए दिशा निर्देश भी जारी किए गए हैं।

शिविरा पंचांग सत्र 2023-24 के अनुसार 11 दिसम्बर से 23 दिसम्बर तक अर्द्ध वार्षिक परीक्षाओं का आयोजन किया जाना है। अर्द्ध वार्षिक परीक्षा अवधि के दौरान भी स्कूल्स में नियमित क्लासेज का संचालन होगा। सभी प्राथमिक विद्यालयों के संस्था-प्रधान यह सुनिश्चित करेंगे कि अर्द्ध वार्षिक परीक्षाओं की अवधि में भी नियमित क्लासेज संचालन पूर्व की भांति हो, इसमें किसी भी प्रकार का व्यवधान नहीं हो।

जिन स्कूलों में कक्षा एक से आठ हैं उनके प्रिंसिपल यह सुनिश्चित करेंगे कि अर्द्ध वार्षिक परीक्षाओं की अवधि में भी पहली से पांचवी की कक्षाओं का नियमित संचालन पूर्व की भांति हो। इसके लिए परीक्षा कक्षा के अतिरिक्त कक्ष व स्थान का उपयोग किया जा सकता है। निदेशालय ने स्कूलों को सलाह दी है कि कक्षा 6 से 8 की स्थानीय स्तर पर होने वाली परीक्षा अवधि के अंतिम दिनों में कराई जाएं जिससे प्रारंभिक दिनों में शिक्षण जारी रखा जा सके। साथ ही स्थानीय परीक्षा को द्वितीय पारी में कराया जाए तथा प्रथम पारी में विषय अध्यापक द्वारा उक्त विषय की तैयारी करवाई जाए।

समान परीक्षा का समय विभाग चक्र बनाते समय पारी एवं अवधि का समायोजन इस प्रकार से किया जाए कि विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी के लिए शिक्षकों के साथ विषय की तैयारी का अवसर भी मिल सके।

शीतकालीन अवकाश 25 से

राजस्थान के सभी सरकारी व निजी स्कूलों में शीतकालीन अवकाश इस बार 12 दिनों के लिए होगा। 25 दिसंबर से शुरू होने वाला शीतकालीन अवकाश 5 जनवरी तक चलेगा। प्रदेश में 9वीं से लेकर 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों की अर्द्धवार्षिक परीक्षा 11 दिसंबर शुरू होंगी और 24 दिसंबर तक चलेंगी। इसके बाद 12 दिनों का शीतकालीन अवकाश रहेगा। अर्द्धवार्षिक परीक्षा में प्रदेश के लगभग 1.52 लाख छात्र शामिल होंगे।

तेरे माथे पे ये आंचल बहुत ही ख़ूब है लेकिन...

ज़ाहिद ख़ान
स्वतंत्र टिप्पणीकार

शे'र-ओ-अदब की महफ़िल में जब भी ग़ज़लों-नज़्मों का ज़िक्र छिड़ता है, मजाज़ लखनवी का नाम ज़रूर आता है। उनके समूचे कलाम में दिलों के अंदर उतर जाने की जो कैफ़ियत है, वह बहुत कम लोगों को नसीब हुई है। मजाज़ की ख़ूबसूरत, पुर-सोज़ शायरी के पहले भी सभी दीवाने थे और उनकी मौत के इतने सालों बाद भी यह दीवानगी जरा सी कम नहीं हुई है।

फ़िराक़ गोरखपुरी की नज़र में, ''अल्फ़ाज़ों के इंतिख़ाब और संप्रेषण के लिहाज़ से मजाज़, फैज़ के बजाय ज़्यादा ताक़तवर शायर थे।'' एक दौर था, जब मजाज़ उर्दू अदब में आंधी की तरह छा गए थे। आलम यह था कि जब वे अपनी कोई नज़्म लिखते, तो वह प्रगतिशील रचनाशीलता की एक बड़ी परिघटना होती। लोग उस नज़्म पर महीनों चर्चा करते। मजाज़ जिस दौर में लिख रहे थे, उस दौर में फैज़ अहमद फ़ैज़, अली सरदार जाफ़री, मख़दूम, जज़्बी आदि भी अपनी शायरी से पूरे मुल्क में धूम मचाए हुए थे। लेकिन वे इन शायरों में सबसे ज़्यादा मक़बूल और दिलपसंद थे। मजाज़ की ग़ैर मामूली शोहरत के बारे में मशहूर अफ़साना निगार इस्मत चुग़ताई ने लिखा है, ''जब उनकी क़िताब 'आहंग' प्रकाशित हुई, तो गर्ल्स कॉलेज की लड़कियां इसे अपने सरहाने तकियों में छिपाकर रखतीं और आपस में बैठकर पर्चियां निकालती थीं कि हम में से किसको मजाज़ अपनी दुल्हन बनाएगा।'' मजाज़ की ज़िंदगानी में उनकी नज़्मों का सिर्फ़ एक मजमूआ 'आहंग' (साल 1938) छपा, जो बाद में 'शब ताब' और 'साज़-ए-नौ' के नाम से भी शाए हुआ। 'आहंग' में मजाज़ की तक़रीबन 60 नज़्में शामिल हैं और सभी नज़्में एक से बढ़कर एक। ''मुझ से मत पूछ ''मिरे हुस्न में क्या रक्खा है''/आंख से पर्दा-ए-ज़ुल्मात उठा रक्खा है/.....मुझ से मत पूछ ''तिरे इश्क़ में क्या रक्खा है''/सोज़ को साज़ के पर्दे में छुपा रक्खा है।'' दीगर शायरों की तरह मजाज़ की

5 दिसम्बर, शायर मजाज़ का स्मृति दिवस।

> 'शहर की रात और मैं नाशाद-ओ-नाकारा फिरूं/जगमगाती जागती सड़कों पे आवारा फिरूं/ग़ैर की बस्ती है कब तक दर-ब-दर मारा फिरूं/ए-ग़म-ए-दिल क्या करूं ऐ वहशत-ए-दिल क्या करूं।"

शायराना ज़िंदगी की इब्तिदा, ग़ज़लगोई से हुई। शुरुआत भी लाजवाब, ''तस्कीन-ए-दिल-ए-महज़ूँ न हुई वो सई-ए-करम फ़रमा भी गए/इस सई-ए-करम को क्या कहिए बहला भी गए तड़पा भी गए/इस महफ़िल-ए-कैफ़-ओ-मस्ती में इस अंजुमन-ए-इरफ़ानी में/सब जाम-ब-कफ़ बैठे ही रहे, हम पी भी गए छलका भी गए।'' लेकिन चंद ही ग़ज़लें कहने के बाद, मजाज़ नज़्म के मैदान में आ गए। आगे चलकर नज़्मों को ही उन्होंने अपने राजनीतिक सरोकारों की अभिव्यक्ति का वसीला बनाया। अलबत्ता बीच-बीच में वे ज़रूर ग़ज़ल लिखते रहे। ''कुछ तुझ को ख़बर है हम क्या क्या ऐ शोरिश-ए-दौराँ भूल गए/वो ज़ुल्फ़-ए-परेशाँ भूल गए, वो दीदा-ए-गिर्यां भूल गए।'' अपनी शायरी से थोड़े से ही अरसे में मजाज़ नौजवानों दिलों की धड़कन बन गए। उनके शे'र, हर एक की ज़बान पर आ गए।

ऐसे ही उनके ना भुलाए जाने वाले कुछ मशहूर शे'र हैं, ''जो हो सके, हमें पामाल करके आगे बढ़/न हो सके, तो हमारा जवाब पैदा कर।'', ''सब का मदावा कर डाला, अपना ही मदावा कर न सके/सबके तो ग़रीबां सी डाले अपना ही ग़िरेबां भूल गए।'' 'आवारा' वह नज़्म है, जिसने मजाज़ को एक नई पहचान दी। मजाज़ का दौर मुल्क की आज़ादी की जद्दोजहद का दौर था। बरतानवी हुकूमत की साम्राज्यवादी नीतियों और सामंतवादी निज़ाम से मुल्क में रहने वाला हर बाशिंदा परेशान था। 'आवारा' पूरी एक नस्ल की बेचैनी की नज़्म बन गई। नौजवानों को लगा कि कोई तो है, जिसने अपनी नज़्म में उनके ख़यालात की अक्कासी की है। 'आवारा' नज़्म पर यदि ग़ौर करें, तो इस नज़्म की इमेजरी और काव्यात्मकता दोनों रूमानी है, लेकिन उसमें एहतिजाज और बग़ावत के सुर भी हैं। यही वजह है कि वे नौजवानों की पंसदीदा नज़्म बन गई। आज भी यह नज़्म नौजवानों को अपनी ओर उसी तरह आकर्षित करती है। ''शहर की रात और मैं नाशाद-ओ-नाकारा फिरूं/जगमगाती जागती सड़कों पे आवारा फिरूं/ग़ैर की बस्ती है कब तक दर-ब-दर मारा फिरूं/ए-ग़म-ए-दिल क्या करूं ऐ वहशत-ए-दिल क्या करूं।'' 'आवारा' पर उस दौर की नई पीढ़ी ही अकेले फ़िदा नहीं थी, मजाज़ के साथी शायर भी इस नज़्म की तारीफ़ करने से अपने आप को नहीं रोक पाए। उनके जिगरी दोस्त अली सरदार जाफ़री ने लिखा है, ''यह नज़्म नौजवानों का ऐलान-नामा थी और आवारा का किरदार उर्दू शायरी में बग़ावत और आज़ादी का पैकर बनकर उभर आया है।'' इस नज़्म के अलावा मजाज़ की 'शहर-ए-निग़ार', 'एतिराफ़' वगैरह नज़्मों का भी कोई जवाब नहीं। फ़ैज़ अहमद फ़ैज़, मजाज़ की 'ख़्वाब-ए-सहर' और 'नौजवान ख़ातून से ख़िताब' नज़्मों को सबसे मुक़म्मिल और सबसे कामयाब तरक़्क़ीपसंद नज़्मों में से एक मानते थे।

मजाज़ को बहुत कम उम्र मिली। यदि उन्हें और उम्र मिलती, तो वे क्या हो सकते थे ?, इसके बारे में शायर-ए-इंक़लाब जोश मलीहाबादी ने अपनी आत्मकथा 'यादों की बरात' में लिखा है, ''बेहद अफ़सोस है कि मैं यह लिखने को ज़िंदा हूं कि मजाज़ मर गया। यह कोई मुझसे पूछे कि मजाज़ क्या था और क्या हो सकता था। मरते वक़्त तक उसका महज़ एक चौथाई दिमाग़ ही खुलने पाया था और उसका सारा कलाम उस एक चौथाई खुले दिमाग़ की खुलावट का करिश्मा है। अगर वह बुढ़ापे की उम्र तक आता, तो अपने दौर का सबसे बड़ा शायर होता।''

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव

राष्ट्रवाद-समावेशी विकास के परिणाम

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ साहित्यकार
व पत्रकार

जपांच राज्यों में हुए चुनाव में भाजपा की बड़ी विजय को मोदी का जादू और लाडली बहनों के आशीर्वाद का परिणाम माना जा रहा है। इसे 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव का सेमिफाइनल भी कहा जा रहा है। जो भी कह लें यह परिणाम प्रखर राष्ट्रवाद और समावेशी विकास के पर्याय हैं। मतदाताओं के बड़े समूह ने साफ जता दिया है कि वे जाति और धर्म की नकारात्मक राजनीति करने वाले दलों के पक्ष में नहीं है। अतएवं उन्हें पनौती जैसे मुद्दे खड़े करने से बाज आना चाहिए।

मतदाताओंनेराष्ट्रवाद, सनातन, सुशासन राजनीतिक स्थिरता और ढांचागत विकास के साथ समावेशी विकास के पक्ष में मतदान किया है। जिससे व्यापक राष्ट्रहित के साथ विकास भी सर्वोपरी रहे। मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग और जनजाति बहुल राज्य है, लेकिन उसने कांग्रेस और कथित इंडिया अर्थात आईएनडीआइ, गठबंधन के जातिवार गणना के मुद्दे को सर्वथा नाकार दिया। अब यह मुद्दा लोकसभा चुनाव में इस मुद्दे के जनक रहे नीतिश कुमार के बिहार में भी चलने वाला नहीं है। राहुल गांधी जातीय गणना को लेकर बाग-बाग हो रहे थे, जबकि नरेंद्र मोदी ने बड़ा दांव चलते हुए कह दिया कि मेरी नजर में केवल चार जातियां हैं, गरीब, महिला, युवा और किसान। उन्हीं के हितों को सर्वोपरि रखते हुए केंद्र और भाजपा शासित राज्यों में लोक-कल्याणकारी योजनाएं बनाई जा रही हैं। ये योजनाएं भले ही राजस्व पर असर डाल रही हों, लेकिन गरीबों के जीवन को आसान बनाने में लाभदायी सिद्ध हो रही हैं। यही वजह रही कि मध्यप्रदेश में जिन 1.31 करोड़ लाडली बहनों को जून 2023 से 1000 और फिर 1250 रुपए प्रति माह दिए जा रहे हैं, उनकी बदौलत दीपावली के त्यौहार पर ऐसी रौनक आई कि बाजार गुलजार हो गया। गरीबों को दी गई आर्थिक मदद का यह समावेशी वितरण का कारगर उपाय है।

> बहनों ने भैया पर भरोसा किया और अपने मत की सौगात देकर भाजपा को भारी बहुमत से अलंकृत कर दिया, जबकि कांग्रेस अति आत्मविश्वास के भ्रम में डूबी रह गई। अन्यथा कमलनाथ को एक अच्छा अवसर सत्तारूढ़ होने का मिला था, जिसमें वे चूक गए। अपने पक्ष में माहौल देख चुनाव के ऐन वक्त पर कांग्रेस हाथ पे हाथ धरे बैठी रह गई।

इन्हीं मुद्दों का नतीजा रहा कि चुनाव में मतदान के बढ़े प्रतिशत ने इस बार अब तक के सारे मापदंड ध्वस्त कर दिए। हिंदी पट्टी के तीन बड़े राज्य राजस्थान, मध्यप्रदेश और

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की गारंटियों और जाति जनगणना जैसे मुद्दे विफल हो गए। मोदी की गारंटी, डबल इंजन सरकार और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद जैसे नारों की गूंज ने मतदाता के भीतर विश्वास पैदा किया और भाजपा को मिले जनादेश ने राजस्थान व छत्तीसगढ़ कांग्रेस से छीन लिए। मध्यप्रदेश को न केवल बचाया बल्कि 163 सीटें जीतकर सत्ता संचालन का मार्ग और प्रशस्त कर दिया। तेलंगाना में 9 सीटें तो जीती हीं, मतदान का प्रतिशत 6 से बढ़कर 14 हो गया। भाजपा की इस चैतरफा बढ़त की प्रमुख वजह यह भी रही कि वह युवा और शिक्षित बेरोजगारों को जहां डिजिटलीकरण, कृत्रिम बुद्धिमता और यहां तक की एक दम नए तकनीकि हमले से जुड़े विषय डीपफेक जैसे मुद्दों को उछाल रही थी, वहीं विदेशी शिक्षा प्राप्त राहुल गांधी, अंबानी, अडाणी, पनौती और ओबीसी की गिनती जैसे रूढ़ मुद्दों का ही राग अलापते रह गए। युवा पीढ़ी को बेहतर भविष्य की राह दिखाने का उनके पास कोई पाठ ही नहीं था। मोदी के इसी संवाद का कारण रहा कि युवा भाजपा की झोली में जाता दिखा। मध्यप्रदेश में लाडली बहनों के मन में जहां शिवराज भैया रहे, वहीं अन्य मतदाताओं के मन में मोदी का जादू रहा। जिसने सत्ता की कठिन डगर को सरल कर दिया। लाडली बहनों के वोट 2 प्रतिशत बढ़े वोटों ने भाजपा को फिर से सत्ता की चाबी सौंप दी। इस बार प्रदेश में कुल 77.15 फीसदी हुए मतदान में महिलाओं ने 76.3 प्रतिशत मतदान की आहुति दी। शिवराज ने इसी साल फरवरी में लाडली बहना योजना की थी। इसके बाद अत्यंत फूर्ति से इस योजना की कागजी कार्रवाई पूरी करके इसे 10 जून से खाते में डालने का काम भी शुरू कर दिया। पहले माह 1000 रुपए डाले गए बाद में इसे बढ़ाकर 1250 रुपए प्रतिमाह कर दिया। प्रदेश के इतिहास में यह सबसे तेजी से प्रचलन में आकर लोकप्रिय होने वाली योजना रही। शिवराज ने इसे बढ़ाकर 3000 रुपए कर देने का भरोसा देकर बहनों का समूचा समर्थन पाने का मार्ग खोल दिया। बहनों ने भैया पर भरोसा किया और अपने मत की सौगात देकर भाजपा को भारी बहुमत से अलंकृत कर दिया। जबकि कांग्रेस अति आत्मविश्वास के भ्रम में डूबी रह गई। अन्यथा कमलनाथ को एक अच्छा अवसर सत्तारूढ़ होने का मिला था, जिसमें वे चूक गए। अपने पक्ष में माहौल देख चुनाव के ऐन वक्त पर कांग्रेस हाथ पे हाथ धरे बैठी रह गई। दिग्विजय सिंह ने जरूर चुनिंदा सीटों पर दौरे किए और प्रत्याशियों का मनोबल बढ़ाया, लेकिन ज्यादातर प्रत्याशी अपने ही संसाधनों से शोसल मीडिया पर इकलौते लड़ते दिखाई दिए। उन्हें संगठन की कोई ठोस मदद नहीं मिली। नतीजतन कांग्रेस 66 सीटों पर सिमट गई। 2003 में जब उमा भारती ने मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को बंटाधार कहते हुए सत्ता से बेदखल किया था, तब भी कांग्रेस की 73 सीटें आई थीं। अलबत्ता भाजपा ने संघ और संगठन से लेकर अपनी पूरी ताकत झोंक दी। इन चुनाव परिणामों के यूं तो कई संदेश हैं, लेकिन जो सबसे बड़ा संदेश तीनों राज्यों की बड़ी जीत में अंतर्निहित है, उसने साफ कर दिया है कि भाजपा की यह जीत किसी एक जाति, धर्म और धुव्रीकरण की नहीं है, बल्कि सकारात्मकता की है। चुनावी विश्लेषक खासातौर से मध्यप्रदेश में बढ़े मतदान को सत्ता विरोधी रुझान का पर्याय बता रहे थे, जबकि वह सत्ता की रचनात्मकता का सुखद पर्याय बनकर सामने आया है। यह अनिवार्य मतदान की जरूरत की पूर्ति कर रहा है।

हालांकि फिलहाल हमारे देश में अनिवार्य मतदान की संवैधानिक बाध्यता नहीं है। मेरी सोच के मुताबिक ज्यादा मतदान की जो बड़ी खूबी है, वह है कि अब अल्पसंख्यक व जातीय समूहों को वोट बैंक की लाचारगी से छुटकारा मिल रहा है। इससे कालांतर में राजनीतिक दलों को भी तुष्टीकरण की मजबूरी से मुक्ति मिलेगी, क्योंकि जब मतदान का प्रतिशत 75 से 85 होने लगता हैं, तो किसी धर्म, जाति, भाषा या क्षेत्र विशेष से जुड़े मतदाताओं की अहमियत नगण्य हो जाती है। नतीजतन उनका संख्या बल जीत या हार की गारंटी नहीं रह जाता। लिहाजा सांप्रदायिक व जातीय आधार पर ध्रुवीकरण की राजनीति शून्य हो जाती है। कालांतर में यह स्थिति मतदाता को धन व शराब के लालच से भी मुक्त कर देगी, क्योंकि कोई प्रत्याशी छोटे मतदाता समूहों को तो लालच का चुग्गा डालकर बरगला सकता है, लेकिन संख्यात्मक दृष्टि से बड़े समूहों को लुभाना मुश्किल होता है? यही वजह रही कि भाजपा ने मध्यप्रदेश में तो लगातार पाचवीं बार न सिर्फ बड़ी जीत हासिल की बल्कि, कांग्रेस से राजस्थान और छत्तीसगढ़ छीनने में भी सफल रही। इन तीनों राज्यों में आदिवासी मतदाताओं के बड़े समूह भाजपा के पक्ष में जाते दिखे हैं और जिस अनुसूचित जाति के मतदाता को बसपा का प्रतिबद्ध मत माना जाता था, वह भी भाजपा की तरफ उन्मुख हुआ है। यही कारण है कि मध्यप्रदेश में आप, सपा और बसपा एक भी सीट जीतने में सफल नहीं रही हैं। मध्यप्रदेश के रतलाम जिले की सैलाना सीट से जरूर 'भारत आदिवासी पाटी' के कमलेश्वर डोडियार जीतने में सफल हुए हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

हारा हुआ नेता

मनीष कुमार चौधरी
व्यंग्यकार

वह चुनाव हारा हुआ नेता था। इसलिए बिल्कुल अकेला था। चुनाव से पहले जब मैं उनसे मिलने गया तो उन तक पहुंचने में मुझे नाकों चने चबाने पड़े थे। कोई पच्चीस-तीस गाड़ियों और सौ-पचास लोगों के बैरियर को पार कर उन तक पहुंचा तो वे कुछ बाहुबलियों से घिरे हुए थे। अब उनके चुनाव हारने के बाद जब उनसे मिलने गया तो..। 'अरे आप निपट अकेले.. कहां गए सब लोग..!' छूटते ही पूछा। 'हारे हुए के साथ कोई नहीं होता, पार्टी भी नहीं..,' एक लंबी सांस भरकर वे बोले। 'अब तो आप अस्सी पार कर चुके। कहीं छपा था कि आप राजनीति से संन्यास ले रहे हैं?' वे हंसकर बोले- 'संन्यास और राजनीति से..। भला राजनीति से कभी संन्यास लिया जाता है। मेरा तो कहना है कि संन्यासियों को भी बेहिचक राजनीति में आना चाहिए। मैं मरते दम तक देश की सेवा करना चाहता हूं।' 'लेकिन आप तो पिछली आधी सदी से भी ज्यादा समय से राजनीति में हैं। स्कूल में क्लास मॉनिटर, कॉलेज में छात्र नेता, फिर पार्शद, विधायक, सांसद, मंत्री, मुख्यमंत्री.. और कितनी देश सेवा करेंगे? अब तो आप चुनाव भी हार चुके हैं। मन नहीं भरता क्या राजनीति से..? नयी पीढ़ी को भी तो जगह मिलनी चाहिए।' 'कहां है नयी पीढ़ी.. मुझे तो नजर नहीं आती..। नये लोग अनुभव कहां से लाएंगे। हम तो खेले-खाए हैं। राजनीति की रग-रग से वाकिफ हैं।' नेता जी शरीर से भले ही पस्त थे, लेकिन उनके जवाब काफी चुस्त थे। 'तो इस बार आप चुनाव हार कैसे गए? क्या जातिवाद के चलते..।' बात काट कर वे बोले- 'नहीं-नहीं..। जातिवाद के सहारे तो मैं अब तक जीतता ही आया हूं। उससे शिकायत कैसी!' 'तो क्या नीतियां, सिद्धांत आड़े आए या जनता का मूड, हवा..।' कुटिल हंसी हंसकर बोले- 'अरे ये सब फालतू की बातें हैं। चुनाव नीति और सिद्धांतों से भला कभी जीते जाते हैं! इस बार मेरी ग्रह दशा खराब थी इसलिए हारा..। चुनाव हारना-जीतना ग्रहों की दशा पर निर्भर करता है। ज्योतिशियों ने कहा था, इस चुनाव में शनि आप पर भारी है। पर चुनाव तो लड़ना ही था। जनता की सेवा का कोई मौका मैं हाथ से जाने देना नहीं चाहता था। राजनीति में हार-जीत तो चलती रहती है। सक्रिय राजनीति में हिस्सा लेना चुनाव के परिणामों से ज्यादा महत्वपूर्ण है।' 'लेकिन उम्र नाम की कोई चिड़िया होती है। चौरासी की उम्र में आखिर सेहत भी तो मायने रखती है?' इस सवाल पर वे ठठा कर हंसे तो नकली बत्तीसी का पूरा नक्शा सामने आ गया। कांपते हाथों से मोटे कांच के चश्मे को हटा कर बोले- 'उम्र तो एक नंबर है। जनता की सेवा का जज्बा होना चाहिए। बाईपास हो चुकी है। एक किडनी खराब है, डायलिसिस पर चल रहा हूं लेकिन आज भी सुबह दो मील पैदल चल लेता हूं.. हेलीकॉप्टर-हवाई जहाज से कहीं भी उड़ जाता हूं.. घंटों भाषण दे लेता हूं.. राजनीति मुझे प्रेरित करती है.. राजनीति नहीं करूं तो जिंदा लाश बन जाऊं..,' कहते-कहते वे हांफने लगे थे। मैं उनके जज्बे को प्रणाम कर वहां से चला आया। यह सोचते हुए कि नेता जी कम से कम हृदय गति रुकने तक तो सक्रिय राजनीति में बने रहेंगे ही..।

नॉलेज कॉर्नर: इस रिपोर्ट ने उड़ाई आम जनता की नींद

अलौकिक शक्तियां... अंधविश्वास या कुछ और!

सा जादू-टोना और अलौकिक शक्तियों की बातों में कुछ लोग विश्वास रखते हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से यह बात स्वीकार नहीं होती, लेकिन समाज में ऐसी कई मान्यताएं हैं। अभी हाल ही में एक नया अध्ययन हुआ है, जिसमें इस बात की जांच की गई है। दुनिया भर में बहुत से लोग काला जादू, श्राप, और अलौकिक शक्तियों में विश्वास करते हैं, और उन्हें ऐसा लगता है कि कुछ लोगों के पास सुपर नेचुरल पावर्स होते हैं, जिनसे वे दूसरों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। वैसे जादू-टोने से जुड़ी मान्यताएं दुनियाभर में प्रचलित हैं, भारत भी इससे अछूता नहीं है। आज के नॉलेज कॉर्नर में जानते हैं जादू-टोने से जुड़ी दिलचस्प बातें...

इसके पीछे कई कारण

अमेरिकी अर्थशास्त्री ने PLoS-ONE जर्नल में एक स्टडी प्रकाशित की है, जिसमें यह खुलासा किया गया है। इस स्टडी के अनुसार, कुछ लोग ऐसी शक्तियों से भी संपन्न हो सकते हैं, जिनसे वे अलौकिक या अप्राकृतिक शक्तियों का इस्तेमाल करके किसी दूसरे को नुकसान पहुंचा सकते हैं। यह स्टडी बताती है कि जादू-टोने की मान्यता के पीछे सिर्फ अंधविश्वास नहीं, बल्कि कई और कारण भी हो सकते हैं। इसके अनुसार जादू-टोने में विश्वास करने वालों की संख्या बहुत अधिक है।

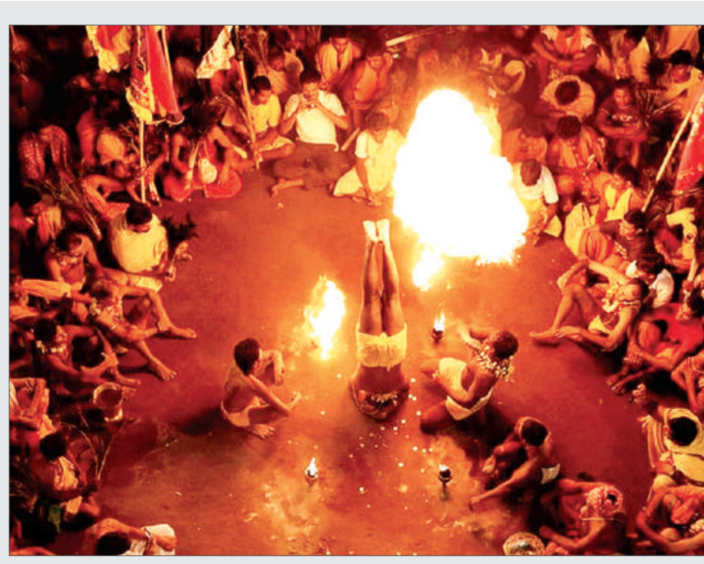

जादू टोने की मान्यताएं

दुनियाभर में विभिन्न हैं। स्वीडन में केवल 9 फीसदी लोगों को जादू-टोना में विश्वास है, जबकि ट्यूनीशिया में यह आंकड़ा 90 फीसदी से अधिक है। ग्रेशमैन के अनुसार, यह स्टडी बताती है कि विभिन्न लोगों और समूहों में जादू-टोना के विश्वास की भिन्न-भिन्न दृष्टियां हैं। इसमें पढ़े लिखे और आर्थिक दृष्टिकोण से ठोस लोग भी शामिल हैं, जो जादू-टोना के मानने वालों में शामिल हो सकते हैं। इससे साबित होता है कि यह विश्वास केवल जानकारी की अभाव में नहीं, बल्कि विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक, मानसिक और आर्थिक पहलुओं पर भी निर्भर करता है।

40 फीसदी लोगों का विश्वास

वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी के अमेरिकी अर्थशास्त्री बोरिस ग्रेशमैन ने अपने इस शोध के लिए 95 देशों और कुछ इलाकों से 1.4 लाख लोगों के विस्तृत आंकड़े इकट्ठा किए। जिसमें से 40 फीसदी लोगों का मानना था कि उनको जादू-टोना, काला जादू आदि में विश्वास है।

कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौन

X

दीया कुमारी, बीजेपी विधायक
@KumariDiya
हमें सबको साथ लेकर चलना है, जो हमसे दूर हैं हमें उनके पास जाना है और जिनमें संदेह है उनमें हमें भरोसा जगाना है।

जगदीश वासुदेव, योग गुरु
@SadhguruJV
मैंने किसी को भी यह विशेषाधिकार नहीं दिया है कि वह मुझे खुश, दुखी, क्रोधित या दुःखी करे। यह एक चीज़ है जो आपको करनी चाहिए: आपके होने का तरीका आपके द्वारा निर्धारित किया जाना चाहिए।

गौड़ गोपाल दास, मोटिवेशनल स्पीकर
@gaurgopald
दिमाग और पैराशूट दोनों तभी काम कर सकते हैं जब वे खुले हों।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव: भाजपा ने जनजाति के लिए आरक्षित 29 में से17 सीटें जीतीं

आदिवासी मतों ने बदले सियासी समीकरण, भाजपा की राह हुई आसान

एजेंसी | रायपुर

छत्तीसगढ़ में सत्ता की चाबी माने जाने वाली आदिवासी सीटों पर भाजपा ने इस बार पिछले चुनाव के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया है तथा 29 में 17 आदिवासी सीट जीत ली है।

वर्ष 2023 का चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आया, भाजपा के स्टार प्रचारकों ने राज्य के आदिवासी बहुल इलाकों का दौरा करना शुरू कर दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह ने बस्तर क्षेत्र में रैलियों को संबोधित किया था, जबकि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आदिवासी बहुल जशपुर में भाजपा की दूसरी

परिवर्तन यात्रा को हरी झंडी दिखाई थी। पार्टी की पहली परिवर्तन यात्रा आदिवासी बहुल दंतेवाड़ा जिले से निकाली गई।

चुनाव विश्लेषकों के मुताबिक, आदिवासी इलाकों से पार्टी की दो परिवर्तन यात्राओं की शुरुआत

और चुनाव पूर्व वादों ने भाजपा के पक्ष में काम किया है। छत्तीसगढ़ की 90 सदस्यीय विधानसभा में 29 सीटें अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित हैं। राज्य की लगभग 32 फीसदी आबादी आदिवासियों की है।

2018 में 25 सीटें जीती थी कांग्रेस ने

कांग्रेस ने 2018 के विधानसभा चुनाव में 29 में से 25 आदिवासी सीटों पर जीत हासिल की थी। इस बार यह घटकर 11 रह गई। भाजपा ने 2018 में अपनी संख्या तीन से बढ़ाकर 17 कर ली है जबकि एक सीट गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को मिली है। चुनाव विश्लेषक कृष्णा दास ने कहा, आदिवासियों को राज्य में सरकार बनाने में महत्वपूर्ण माना जाता है। आदिवासी कल्याण के लिए कई कदम उठाने के बावजूद कांग्रेस इस बार उनका समर्थन बरकरार नहीं रख सकी।

धर्मपरिवर्तन का मुद्दा बना परेशानी का सबब

पिछले कुछ वर्षों में राज्य के आदिवासी बहुल इलाकों विशेषकर बस्तर संभाग में धर्म परिवर्तन को लेकर आदिवासियों और ईसाई धर्म अपनाने वाले आदिवासियों के बीच झड़प और मारपीट की कई घटनाएं सामने आई हैं। चुनाव प्रचार के दौरान यह मुद्दा सत्ताधारी दल कांग्रेस को परेशान करता रहा क्योंकि भाजपा के शीर्ष नेताओं ने अपने चुनाव प्रचार में आक्रामक तरीके से भूपेश बघेल सरकार पर धर्मांतरण में शामिल लोगों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। सरगुजा और बस्तर संभाग के आदिवासी इलाकों में भी खनन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन देखा गया।

क्षेत्रीय दलों ने भी पहुंचाया कांग्रेस को नुकसान

चुनाव विश्लेषकों के अनुसार गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (जीजीपी) और हमर राज पार्टी (हाल में सर्व आदिवासी समाज द्वारा गठित एक संगठन) ने भी कई एसटी आरक्षित सीटों पर कांग्रेस की संभावनाओं को प्रभावित किया। राज्य गठन के बाद से ही सीतापुर-एसटी सीट पर अजेय रहे कांग्रेस के वरिष्ठ आदिवासी मंत्री अमरजीत भगत को इस बार हार का सामना करना पड़ा। एक अन्य वरिष्ठ आदिवासी नेता और कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम अपनी सीट कोंडागांव से हार गए।

भाजपा के समर्थन में रहा उतार-चढ़ाव

वर्ष 2000 में राज्य बनने के बाद 2003 में छत्तीसगढ़ में हुए पहले चुनाव में भाजपा उन आदिवासियों के बीच गहरी पैठ बनाने में कामयाब रही, जो कभी कांग्रेस के कट्टर समर्थक माने जाते थे। लेकिन अगले चुनावों में भाजपा उन पर पकड़ खोती चली गई।

वर्ष 2003: विधानसभा चुनाव अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित 34 सीटों में से भाजपा ने 25 सीटें जीती

वर्ष 2008: भाजपा ने 29-एसटी आरक्षित सीटों में से 19 सीटें जीती

कांग्रेस 10 एसटी सीटों पर विजयी रही।

(2008 में हुए परिसीमन ने राज्य में एसटी आरक्षित सीटों को 29 कर दिया था।)

जरूरी खबर

चुनाव में नतीजे अकल्पनीय, चिंतन करना होगा

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों हुई हार को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा है कि नतीजे अकल्पनीय हैं एवं पार्टी को इस पर चिंतन करना होगा। तीन बार के विधायक सिंहदेव अंबिकापुर सीट पर भाजपा के राजेश अग्रवाल से 94 वोट के मामूली अंतर से हार गए।

हार के कारणों के बारे में पूछे जाने पर, सिंहदेव ने अंबिकापुर में संवाददाताओं से कहा, पार्टी को चिंतन करना होगा क्योंकि परिणाम मीडिया में दिखाए जा रहे सर्वेक्षण के उलट थे। उन्होंने कहा, हम इसका आकलन नहीं कर सके। मैं सोच रहा था कि कांग्रेस फिर से सरकार बनाएगी और भाजपा को जो सीट मिली है, वह कांग्रेस हासिल कर लेगी। हमें चिंतन करना होगा कि क्या किया गया और क्या किया जाना चाहिए था।

मध्य प्रदेश : कांग्रेस आज करेगी हार के कारणों पर मंथन

भोपाल। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में हार और खराब प्रदर्शन के कारणों पर चर्चा के लिए मंगलवार को सभी 230 उम्मीदवारों की बैठक बुलाई है। बैठक में इस बात पर भी चर्चा होगी कि पार्टी को कैसे मजबूत किया जाए और कैसे आगे बढ़ाया जाए। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह, सुरेश पचौरी और अन्य लोग प्रतिभागियों के साथ पार्टी की हार के कारणों पर चर्चा करेंगे। बैठक को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ संबोधित करेंगे। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया सेल के प्रमुख ने कहा कि कांग्रेस ने सभी 230 उम्मीदवारों की मंगलवार को बैठक बुलाई है।

मिजोरम में एमएनएफ की करारी हार, कांग्रेस को भी झटका

ZPM को मिला दो तिहाई बहुमत लालदुहोमा बन सकते हैं सीएम

एजेंसी | आइज़ोल

जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) ने मणिपुर विधानसभा की 40 में से 27 सीटें जीतकर दो तिहाई बहुमत हासिल कर लिया है। मुख्यमंत्री जोरमथंगा न सिर्फ खुद चुनाव हार गए हैं बल्कि उनकी पार्टी मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) सत्ता से बाहर हो गई है। मिजो नेशनल फ्रंट को मात्र 10 सीटों पर सफलता मिली है। इस चुनाव में पार्टी को 16 सीटें गंवानी पड़ी हैं।

सत्ता में वापसी का दावा कर रही कांग्रेस को मात्र एक सीट मिली है। भाजपा को दो सीटों पर जीती है। भाजपा ने पलक और सैहा सीट अपने नाम की, जबकि कांग्रेस ने लांग्तलाई वेस्ट सीट पर जीत हासिल की। जीत दर्ज करने वाले जेडपीएम के प्रमुख नेताओं में पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार लालदुहोमा शामिल हैं। उन्होंने सेरछिप सीट पर एमएनएफ के जे. माल्सावमजुआला वानचावंग को 2,982 वोटों से हराया। इस बीच मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथंगा ने सोमवार शाम को राज्यपाल हरी बाबू कंभमपति से मुलाकात की और मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा सौंप दिया है।

ASSEMBLY ELECTIONS 2023

Mizoram

RESULTS	Seats 40
Zoram People's Movement	27
Mizo National Front	10
Bharatiya Janata Party	2
Indian National Congress	1

सीएम समेत कई दिग्गज नेता हारे

मुख्यमंत्री जोरमथंगा आइजोल ईस्ट-प्रथम सीट पर जेडपीएम उम्मीदवार लालथनसांगा से 2,101 मतों से हार गए। इसके अलावा उपमुख्यमंत्री तावंलुइया, ग्रामीण विकास मंत्री लालरुआत्किमा और स्वास्थ्य मंत्री आर. लालथंगलियाना भी चुनाव हार गए।

केंद्र में राजग के साथ था मिजो नेशनल फ्रंट

मिजो नेशनल फ्रंट केंद्र की भाजपा नीत सरकार का सहयोगी रहा है, लेकिन मार्च 2023 में मणिपुर हिंसा के बाद एमएनएफ और भाजपा के रिश्तों के बीच तल्खी आने लगी और उन्होंने राजग से दूरी बनाली थी।

किसी भी गठबंधन में शामिल नहीं होंगे

जेडपीएम के नेता लालदुहोमा ने कहा है कि राज्य की अगली सरकार केंद्र के साथ अच्छे संबंध बनाए रखेगी, लेकिन उनकी पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर किसी भी गठबंधन में शामिल नहीं होगी। ालदुहोमा ने 'पीटीआई वीडियो' के साथ विशेष बातचीत में केंद्र सरकार से मजबूत संबंध बनाने पर जोर दिया। उन्होंने पार्टी की चुनावी सफलता का श्रेय मिजोरम की आम जनता को दिया और कहा कि नए मुख्यमंत्री के रूप में उनकी प्राथमिकताएं अधूरी परियोजनाओं को पूरा करने की होगी। उन्होंने कहा कि पार्टी बैठक करेगी और फिर शपथ ग्रहण पर फैसला करेगी।

80 प्रतिशत मतदान हुआ था राज्य में

मिजोरम विधानसभा के लिए मतदान सात नवंबर को हुआ था। इस दौरान 8.57 लाख मतदाताओं में से 80 फीसदी से ज्यादा ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। चुनाव में 18 महिलाओं सहित कुल 174 उम्मीदवार मैदान में थे।

कांग्रेस को 20 फीसदी वोट

मिजोरम विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 20.82 प्रतिशत वोट मिले। वोट प्रतिशत के हिसाब से वह तीसरे नंबर पर रही। भाजपा को 5.06 वोट मिले मगर दो सीट जीतने में कामयाब रही। सत्ता हासिल करने वाले जेडपीएम 37.88 प्रतिशत वोट मिले। मिजो नेशनल फ्रंट वोट शेयर और सीटों के हिसाब से दूसरे नंबर पर रहा। पार्टी को 35.10 फीसदी वोट और 10 सीटें मिलीं।

कौन हैं लालदुहोमा

लालदुहोमा भारतीय पुलिस सेवा के गोवा कैडर के पूर्व अधिकारी हैं। वह राष्ट्रीय राजधानी में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सुरक्षा के प्रभारी भी रहे हैं। लालदुहोमा ने सेवानिवृत्ति के बाद राजनीति में कदम रखा। लालदुहोमा ने जोरम पीपुल्स मूवमेंट की स्थापना की। वर्ष 2020 में, लालदुहोमा को दल-बदल विरोधी कानून का उल्लंघन करने के लिए विधानसभा के सदस्य के रूप में अयोग्यता का सामना करना पड़ा। उन्होंने 2021 में सेरछिप सीट के लिए उपचुनाव जीतकर वापसी की।

हार के बाद रार की आशंका

विपक्षी गठबंधन की बैठक में ममता नहीं होंगी शामिल

एजेंसी | कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य के उत्तरी क्षेत्र में अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों का हवाला देते हुए सोमवार को कहा कि वह छह दिसंबर को दिल्ली में विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' की बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगी। बनर्जी ने कहा कि वह बैठक की तारीख से वाकिफ नहीं थीं और संकेत दिया कि अगर उन्हें पहले से सूचित किया गया होता तो उन्होंने अपना यात्रा कार्यक्रम पुनर्निर्धारित किया होता। 'इंडिया' गठबंधन के नेता 2024 के लोकसभा चुनाव की रणनीति तैयार करने के लिए छह दिसंबर को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर बैठक करने वाले हैं।

पहले आंतरिक कलह से निपटे

इस बीच, तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को दावा किया कि तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव में हार का सामना करने वाली कांग्रेस आत्ममुग्धता से पीड़ित है और उससे अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले अपनी "आंतरिक कलह" से निपटने का आह्वान किया।

चुनाव परिणाम स्वीकार करेंगे: यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को कहा कि नतीजे जो भी होंगे, राजनीतिक दल उन्हें स्वीकार करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा जैसी बड़ी पार्टी से मुकाबला करना हैं तो बहुत तैयारी करनी होगी। यादव ने सोमवार को वाराणसी में कहा, राजनीति में हम लोग निराश नहीं हैं, लोकतंत्र में ऐसे परिणाम आते रहते हैं। लेकिन लड़ाई लंबी है, जिन लोगों को भारतीय जनता पार्टी जैसी बड़ी पार्टी से मुकाबला करना है, उन्हें बहुत तैयारी करनी पड़ेगी।

तेलंगाना: कांग्रेस विधायक दल की बैठक

नेता चुनने के लिए खरगे को किया अधिकृत

एजेंसी | हैदराबाद

तेलंगाना में नवनिर्वाचित कांग्रेस विधायकों की सोमवार को हुई बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को कांग्रेस विधायक दल का नेता नियुक्त करने के लिए अधिकृत किया गया।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने सीएलपी की बैठक के बाद पत्रकारों से कहा, कांग्रेस के सभी नवनिर्वाचित सदस्यों ने कांग्रेस विधायक दल के नेता को नियुक्त करने के

लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अधिकृत करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया है।

शिवकुमार ने बताया कि निर्णय के लिये अधिकृत करने से संबंधित पत्र खरगे को भेजा जाएगा और विधायकों ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के फैसले को स्वीकार करने का निर्णय लिया है।

शिवकुमार सीएलपी की बैठकों में समन्वय करने के लिए नियुक्त एआईसीसी के पर्यवेक्षकों में से एक हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने इस संबंध में एक प्रस्ताव पेश किया और मल्लू भट्टी विक्रमार्क और डी. श्रीधर बाबू समेत वरिष्ठ विधायकों ने इसका समर्थन किया।

संग्रहालय का उद्घाटन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सोमवार को कोलकाता में विधानसभा प्लेटेनियम जुबली मेमोरियल भवन में संग्रहालय के उद्घाटन के दौरान अन्य नेताओं के साथ।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव

भारत जोड़ो यात्रा से कांग्रेस को लाभ नहीं, भाजपा ने जीतीं 17 सीटें

एजेंसी | भोपाल

'भारत जोड़ो यात्रा' से मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में लाभ मिलने की कांग्रेस की उम्मीदें उस समय धराशायी हो गईं जब भाजपा ने उन 21 सीटों में से 17 सीटें जीत लीं जहां से राहुल गांधी के नेतृत्व वाली यह यात्रा गुजरी थी। भाजपा ने रविवार को मध्य प्रदेश विधानसभा की 230 सीटों में से 163 सीटें जीतकर दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लिया जबकि कांग्रेस 66 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही।

पिछले साल 23 नवंबर से चार दिसंबर के बीच 'भारत जोड़ो यात्रा' ने मप्र के मालवा-निमाड़ क्षेत्र के छह जिलों, बुरहानपुर,

खंडवा, खरगोन, इंदौर, उज्जैन और आगर मालवा से होकर 380 किलोमीटर की दूरी तय की जिसमें कुल मिलाकर 21 सीटें हैं। भाजपा ने 2018 में इनमें से 14 सीटें

जीतीं, जबकि कांग्रेस सात सीटों पर विजयी रही। इस बार 2023 के चुनावों में भाजपा ने अपनी सीटों की संख्या बढ़ाकर 17 कर ली और कांग्रेस चार सीटों पर सिमट गई।

इन्होंने दिलाई भाजपा को जीत

भाजपा की अर्चना चिटनीस ने बुरहानपुर, मंजू दादू ने जिले की नेपानगर सीट से जीत हासिल की। बुरहानपुर सीट 2018 में निर्दलीय उम्मीदवार सुरेंद्र सिंह शेरा ने जीती थी जो इस बार कांग्रेस के उम्मीदवार के तौर पर विफल रहे। कांग्रेस की सुमित्रा कास्डेकर ने 2018 में नेपानगर सीट जीती, लेकिन बाद में उन्होंने पाला बदल लिया और 2020 के उपचुनाव में भाजपा के टिकट पर चुनी गईं। भाजपा ने यह सीट बरकरार रखी है। भाजपा के नारायण पटेल और छाया मोरे भी क्रमश: मांधाता और पंधाना से जीते। पंधाना सीट पर 2018 में भाजपा के राम दांगोरे ने जीत हासिल की थी, जबकि मांधाता सीट पर कांग्रेस के नारायण पटेल जीते थे। पटेल बाद में भाजपा में चले गए और 2020 में उपचुनाव जीते। उन्हें सत्तारूढ़ पार्टी ने फिर से टिकट दिया। खरगोन जिले में 'भारत जोड़ो यात्रा' बड़वाह और भीकनगांव विधानसभा सीट से होकर गुजरी। बड़वाह से भाजपा के सचिन बिड़ला जीते तो भीकनगांव से कांग्रेस प्रत्याशी झूमा सोलंकी विजयी रहीं। 2018 में दोनों सीटें कांग्रेस ने जीती थीं। बड़वाह विधायक सचिन बिड़ला बाद में भाजपा में शामिल हो गए।

इंदौर की सभी सीटों पर भाजपा विजयी

'भारत जोड़ो यात्रा' इंदौर जिले की सभी आठ सीटों पर पहुंची। यहां सभी आठ सीटों पर भाजपा विजयी रही। भाजपा की उषा ठाकुर और मधु वर्मा क्रमश: महू और राऊ से जीतीं। इंदौर-1 सीट पर भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने मौजूदा विधायक संजय शुक्ला को हराकर जीत हासिल की। भाजपा के रमेश मेंदोला (इंदौर-2), गोलू शुक्ला (इंदौर-3), मालिनी गौड़ (इंदौर-4) और महेंद्र हार्डिया (इंदौर-5) भी जीते हैं। इसके अलावा, 2020 में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए तुलसी सिलावट ने सांवेर सीट से जीत हासिल की। पिछले साल चार दिसंबर को राजस्थान में प्रवेश करने से पहले 'भारत जोड़ो यात्रा' आगर मालवा जिले की आगर मालवा और सुसनेर विधानसभा सीटों से गुजरी थी। आगर मालवा सीट पर भाजपा के माधव सिंह ने जीत हासिल की जबकि सुसनेर सीट पर कांग्रेस के भैरो सिंह को जीत मिली। भाजपा ने 2018 में आगर मालवा विधानसभा सीट जीती लेकिन 2020 के उपचुनाव में कांग्रेस से हार गई, जहां मौजूदा विधायक मनोहर ऊंटवाल के निधन के कारण उपचुनाव जरूरी हो गया था। सुसनेर विधानसभा सीट 2018 में निर्दलीय उम्मीदवार विक्रम सिंह राणा ने जीती थी, जो बाद में भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा के मोहन यादव और अनिल जैन ने क्रमश: उज्जैन दक्षिण और उज्जैन उत्तर सीट से जीत हासिल की।

यात्रा मार्ग पर कांग्रेस को चार सीटें जीतीं

मध्य प्रदेश के यात्रा मार्ग पर कांग्रेस ने जो चार सीटें जीतीं, वे हैं भीकनगांव, तराना, महिदपुर और सुसनेर। कांग्रेस नेताओं ने दावा किया था कि इस साल मई में कर्नाटक में कांग्रेस की जीत का कारण 'भारत जोड़ो यात्रा' थी। दक्षिणी राज्य में पार्टी ने उन 20 विधानसभा सीटों में से 15 पर जीत हासिल की जहां से राहुल गांधी के नेतृत्व वाली यात्रा गुजरी।

जरूरी खबर

राघव चड्ढा का राज्यसभा से निलंबन खत्म

नई दिल्ली। राज्यसभा में सोमवार को आम आदमी पार्टी सदस्य राघव चड्ढा का निलंबन समाप्त करते हुए उन्हें सदन की कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति दे दी गई। चड्ढा को मानसून सत्र में 11 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया गया था। शीतकालीन सत्र के पहले दिन भोजनावकाश के बाद दोपहर दो बजे उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर सभापति जगदीप धनखड़ ने माकपा के इलामरम करीम से विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट पेश करने को कहा।

सभापति ने समिति की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि 11 अगस्त 2023 से अब तक सदस्य का सदन से निलंबित रहना पर्याप्त सजा है जो न्याय के उद्देश्य को पूरा करता है। इसके बाद सदन ने ध्वनिमत से इस प्रस्ताव को पारित कर दिया और सभापति ने आप सदस्य को सदन की कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति दे दी।

संजय सिंह की न्यायिक हिरासत 11 तक बढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से संबंधित धनशोधन के मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह की न्यायिक हिरासत सोमवार को 11 दिसंबर तक बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल ने प्रवर्तन निदेशालय को सिंह के खिलाफ दायर पूरक आरोपपत्र की एक प्रति उनके वकील को सौंपने का निर्देश दिया और कहा कि उनकी ज़मानत याचिका पर बहस छह दिसंबर को होगी। सोमवार को ईडी ने एक आवेदन दायर कर कहा कि पूरक आरोपपत्र में कुछ संरक्षित गवाहों के नामों का गलती से उल्लेख हो गया।

कृष्ण जन्मभूमि से जुड़े सभी मुकदमों में सुनवाई शुरू

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मथुरा जिले में श्री कृष्ण जन्मभूमि- शाही ईदगाह मस्जिद विवाद से जुड़े सभी 17 मुकदमों में सुनवाई सोमवार को शुरू की और प्रतिवादी यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को सभी मामलों में दो सप्ताह के भीतर अपने जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। कृष्ण जन्मभूमि से संबंधित 17 मामलों के रिकॉर्ड इलाहाबाद हाई कोर्ट को सोमवार को मथुरा की अदालत से प्राप्त हो गए। वादी और प्रतिवादी के वकीलों की पेशी दर्ज करने के बाद न्यायाधीश मयंक कुमार जैन ने इस मामले की सुनवाई टाल दी।

चक्रवाती तूफान दक्षिण तटीय क्षेत्र की ओर... आंध्र व चेन्नई में भारी बारिश व बाढ़

अमरावती/चेन्नई। आंध्र प्रदेश के पश्चिम-मध्य और तटीय दक्षिण क्षेत्र में मंडरा रहा चक्रवात 'मिगजॉम' गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया है, जिससे राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश हो रही है। पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में चेन्नई एवं उसके उपनगरों में भारी बारिश हुई और बाढ़ के हालात बन गए। चेन्नई में बारिश से संबंधित घटनाओं में पांच लोगों की मौत हो गई है।

अमरावती मौसम विज्ञान केंद्र के एक अधिकारी ने कहा कि गंभीर चक्रवाती तूफान के धीरे-धीरे तेज होने और उत्तर की ओर लगभग समानांतर और दक्षिण आंध्र प्रदेश तट के करीब बढ़ने तथा नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच, बापटला के करीब से गुजरने की संभावना है।

नौसेना दिवस कार्यक्रम: नैवी में बदलेंगे रैंकों के नाम

सशस्त्र बलों में बढ़ेगी महिलाओं की संख्या, सरकार प्रतिबद्ध: PM

एजेंसी | मालवन (महाराष्ट्र)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार सशस्त्र बलों में महिलाओं की संख्या बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय नौसेना में रैंक का नाम देश की संस्कृति के अनुसार बदला जाएगा।

छत्रपति शिवाजी महाराज को उनकी दूरदर्शिता और युद्ध रणनीति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मोदी ने कहा कि 17वीं सदी के मराठा शासक नौसैनिक शक्ति के महत्व को जानते थे। प्रधानमंत्री मुंबई से लगभग 500 किमी दूर महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के मालवन में आयोजित नौसेना दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मोदी ने नौसेना की सराहना की कि कुछ समय के लिए एक महिला अधिकारी नौसेना के जहाज की कमान संभालेगी।

वर्दी पर पट्टी आदि में होगी शिवाजी की छवि

मोदी ने यह भी घोषणा की कि नौसेना के अधिकारियों द्वारा लगाए जाने वाले 'एपॉलेट्स' (वर्दी पर पट्टी, सजावटी चिह्न) में छत्रपति शिवाजी की छवि होगी, जिन्हें देश की पहली आधुनिक नौसेना के निर्माण का श्रेय दिया जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि महान मराठा साम्राज्य के संस्थापक देश के लिए नौसैनिक शक्ति के महत्व को जानते थे। उन्होंने मजबूत समुद्री शक्ति का निर्माण किया।

आज भारत तय करता है अपने लक्ष्य

पीएम ने कहा कि छत्रपति शिवाजी से प्रेरणा लेकर भारत गुलामी की मानसिकता को पीछे छोड़कर सभी मोर्चे पर आगे बढ़ रहा है। आज भारत अपने लिए बड़े लक्ष्य निर्धारित कर रहा है और उन को हासिल करने के लिए अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर रहा है। दुनिया भारत को 'विश्व मित्र' के रूप में देख रही है। बंदरगाह विकास को अभूतपूर्व सहयोग दे रहा है।

देखा नौसेना का रण कौशल और शौर्य

नौसेना दिवस कार्यक्रम से पहले मोदी ने सिंधुदुर्ग जिले के राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की एक प्रतिमा का अनावरण किया। बाद में, मोदी ने तारकर्ली समुद्र तट से भारतीय नौसेना के जहाजों, पनडुब्बियों, विमानों और विशेष बलों के अभियानगत प्रदर्शन को देखा। छोटे से तटीय शहर मालवन में भी नौसेना ने अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। नौसेना ने अभ्यास में अग्रिम पंक्ति के युद्धपोत, पनडुब्बी, विमान और हेलीकॉप्टर को शामिल किया। युद्धपोत आईएनएस विक्रमादित्य, आईएनएस कोलकाता, आईएनएस कोच्चि, आईएनएस विशाखापत्तनम, आईएनएस चेन्नई, आईएनएस ब्रह्मपुत्र, आईएनएस ब्यास, आईएनएस बेतवा समेत अन्य पोत इस अभ्यास का हिस्सा थे।

सरकार की अहम पहल...

सड़क हादसे में घायल को मिलेगी कैशलेस इलाज की सुविधा

तीन-चार माह में लागू होगी योजना

एजेंसी | नई दिल्ली

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय सड़क हादसों में घायल होने वाले लोगों को देश भर में कैशलेस इलाज की सुविधा अगले तीन-चार महीनों में शुरू करने की तैयारी में है।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग सचिव अनुराग जैन ने यहां सड़क परिवहन पर आयोजित एक कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत में सड़क हादसों में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या दुनिया में सबसे अधिक है। इसे कम करने के लिए सरकार पीड़ितों को फौरन चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने की योजना बना रही है। सड़क हादसों में घायल होने वाले लोगों को मुफ्त एवं कैशलेस चिकित्सा सुविधा मुहैया कराना संशोधित मोटर वाहन अधिनियम, 2019 का हिस्सा है। कुछ राज्यों ने

इसे लागू किया है लेकिन अब स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ मिलकर सड़क परिवहन मंत्रालय इसे देश भर में लागू करने जा रहा है।

इस योजना के तहत सड़क हादसों के पीड़ितों को घटनास्थल के नजदीकी समुचित अस्पताल में कैशलेस ट्रॉमा देखभाल देने की संकल्पना की गई है। यह कदम उच्चतम न्यायालय के फैसले के अनुरूप होगा और इसके लिए मोटर वाहन संशोधन अधिनियम, 2019 से अधिकार मिले हैं।

2022 में राजस्थान में दर्ज हुए कुल 45,058 मामले

महिलाओं पर क्रूरता में रिश्तेदार सबसे आगे

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत में 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,45,256 मामले दर्ज किए गए। एनसीआरबी के ताजा आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इससे पहले 2021 में 4,28,278 जबकि 2020 में 3,71,503 प्राथमिकी दर्ज की गई थीं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के सिलसिले में हर घंटे लगभग 51 प्राथमिकी दर्ज की गईं। प्रति एक लाख आबादी में महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर 66.4 प्रतिशत रही जबकि ऐसे मामलों में आरोप पत्र दायर करने की दर 75.8 रही।

एनसीआरबी ने कहा कि भारतीय दंड संहिता के तहत महिलाओं के खिलाफ अधिकांश (31.4 प्रतिशत) अपराध पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता किए जाने के थे। इसके बाद महिलाओं के अपहरण (19.2 प्रतिशत), शील भंग करने के इरादे से महिलाओं पर हमला (18.7 प्रतिशत) और बलात्कार (7.1 प्रतिशत) के मामले रहे। वर्ष 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों की सबसे अधिक दर 144.4 दिल्ली में दर्ज की गई, जो राष्ट्रीय औसत दर 66.4 से काफी अधिक है। इस साल दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 14,247 मामले सामने आए। इसके बाद हरियाणा (118.7), तेलंगाना (117), राजस्थान (115.1) के नाम हैं। आंकड़ों में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश में 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में सबसे अधिक 65,743 प्राथमिकी दर्ज की गईं, इसके बाद महाराष्ट्र (45,331), राजस्थान (45,058), पश्चिम बंगाल (34,738) और मध्य प्रदेश (32,765) रहे।

श्रीलंका के सैन्य कमांडर भारत दौरे पर

नई दिल्ली। सेना अध्यक्ष जनरल मनोज पांडे सोमवार को नई दिल्ली में श्रीलंका सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल विकुम लियानागे के साथ।

संसद का शीतकालीन सत्र शुरू

हार का गुस्सा छोड़ सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़े विपक्ष: मोदी

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विपक्षी दलों से आग्रह किया कि संसद के शीतकालीन सत्र में वे विधानसभा चुनावों में मिली पराजय का 'गुस्सा' ना निकालें बल्कि उससे सीख लेते हुए पिछले नौ सालों की नकारात्मकता को पीछे छोड़ें और सकारात्मक रूख के साथ आगे बढ़ें, तभी उनके प्रति लोगों का नजरिया बदल सकता है।

सत्र के पहले दिन मीडिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि यदि विपक्षी दल 'विरोध के लिए विरोध' का तरीका छोड़ दें और देश हित में

सकारात्मक चीजों में साथ दें तो देश के मन में उनके प्रति आज जो नफरत है, हो सकता है वह मोहब्बत में बदल जाए।

देश ने नकारात्मकता को नकारा

पीएम मोदी ने चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों को बहुत ही उत्साहवर्धक करार देते हुए कहा, देश ने नकारात्मकता को नकारा है। अगर मैं वर्तमान चुनाव नतीजे के आधार पर कहूं तो विपक्ष में जो बैठे हुए साथी हैं उनके लिए यह स्वर्णिम अवसर है। इस सत्र में पराजय का गुस्सा निकालने की योजना बनाने के बजाय, इस पराजय से सीखकर नकारात्मकता की प्रवृत्ति को छोड़कर, अगर सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ेंगे तो देश उनकी तरफ देखने का दृष्टिकोण बदलेगा।

आपराधिक कानूनों से संबंधित बिल व महुआ के निष्कासन का होगा विरोध: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि वह संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र में तीन आपराधिक कानूनों के स्थान पर लाए गए विधेयकों, निर्वाचन आयुक्त विधेयक तथा तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा के निष्कासन के कदम का विरोध करेगी। पार्टी ने यह भी कहा कि इस सत्र में देश की आर्थिक स्थिति तथा सीमा पर हालात पर चर्चा होनी चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने सोमवार को पार्टी संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी के आवास पर एक रणनीतिक बैठक की जिसमें संसद के शीतकालीन सत्र में उठाए जाने वाले मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे,

पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल, रणदीप सुरजेवाला और जयराम रमेश तथा कुछ अन्य सांसद शामिल हुए। बैठक के बाद जयराम रमेश ने संवाददाताओं से कहा, सरकार जो विधेयक ला रही है, जिन मुद्दों पर हम चर्चा चाहते हैं, उस बारे में बैठक में बातचीत की गई है। उन्होंने कहा कि हम विधेयक पर चर्चा में भाग लेंगे। अपना विरोध और आपत्तियां खुलकर व्यक्त करेंगे। हम कुछ विधेयकों के खिलाफ हैं।

इवेंट: इनफॉर्मल राउंड टेबल पर इंटरनेशनल एक्सपर्ट हुए शामिल

जेंडर बेस्ड वायलेंस महिलाओं का ही नहीं, पुरुषों का भी मुद्दा

बेधड़क.जयपुर। 'विक्टिम ब्लेमिंग सबसे आसान काम होता है, जेंडर बेस्ड वायलेंस केवल महिलाओं का नहीं, पुरुषों का भी मुद्दा है।' यह विचार जयपुर में अमेरिकी शिक्षक, फिल्म निर्माता और लेखक जैक्सन कैटज ने रखे। मौका था वीकेयर और वफुना फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान व यूनाइटेड स्टेट्स मिशन इन इंडिया के साथ पार्टनरशिप में होटल आईटीसी राजपूताना परिसर में जेंडर बेस्ड वायलेंस पर इनफॉर्मल राउंड टेबल के आयोजन का। प्रोग्राम में बतौर मुख्य वक्ता अमेरिकी शिक्षक, फिल्म निर्माता, लेखक और सोशल थेओरिस्ट जैक्सन कैटज थे तो यूएस एमबेसी नई दिल्ली से पब्लिक डिप्लोमेसी ऑफिसर सीजे वुड्स और एडवाइजर स्ट्रैटेजिक पब्लिक इंगेजमेंट मनदीप कौर मौजूद रहीं। गौरतलब है हर साल यह कार्यक्रम 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक आयोजित होने वाले 'जेंडर-आधारित हिंसा के खिलाफ 16 दिन' के समर्थन में होता है। जीबीवी के खिलाफ अभियान में नागरिकों से यह कहा जा रहा है कि वे महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने में समर्थन कर अपनी एक्टिविटीज को साझा करें।

डॉक्यूमेंट्री से हुए काफी पॉपुलर

जैक्शन ने 'मेंटर्स इन वायलेंस प्रिवेंशन' नामक लैंगिक हिंसा रोकथाम और शिक्षा कार्यक्रम बनाया है, जिसका उपयोग अमेरिकी सेना और विभिन्न खेल संगठनों द्वारा किया जाता है। कैटज का काम हिंसा, मीडिया और पुरुषत्व पर केंद्रित है, जिसमें मीडिया साक्षरता पर ध्यान दिया गया है। उन्होंने मीडिया में पुरुषों और महिलाओं के प्रतिनिधित्व पर कई डॉक्यूमेंट्रीज बनाई हैं।

महिला अत्याचार पर की चर्चा

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत उद्बोधन यूएस फार्च्यून प्रोग्राम एलम अपरा कुच्छल ने किया। इस दौरान महिलाओं से संबंधित कई तरह के वायलेंस पर बातचीत हुई। साथ ही इसकी रोकथाम पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में जेंडर बेस्ड वायलेंस में मर्दों की भूमिका पर चर्चा की गई।

ये प्रतिनिधि रहे खास

अलग-अलग संस्थानों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इनमें आईपीएस अमनदीप कपूर, एसीएस संदीप वर्मा, डिजाइनर व शेफ ताहिर सुल्तान, एजुकेशनिस्ट एनडी माथुर, डिजाइनर शान भटनागर, मैनेजमेंट कंसलटेंट रजनीश सिंघवी, इंडस्ट्रीअलिस्ट बसंत खैतान, डिजाइनर शांतनु गर्ग, बैंकर कुणाल गुप्ता, कपिल भागिया, अभिमन्यु सिंह, आदित्य अवस्थी, अमित पुरोहित, हनीत सिंह, शाश्वत, जगदीप सिंह, सिद्धार्थ बोस सहित अन्य शामिल रहे।

नरेंद्र रावत को किया सम्मानित

बेधड़क. जयपुर। जयपुर के रावत एजुकेशनल ग्रुप के निदेशक नरेंद्र सिंह रावत यूनिवर्सल मेंटर्स एसोसिएशन द्वारा डायरेक्टर ऑफ द ईयर-2023 अवॉर्ड से सम्मानित किए गए। होटल क्लार्क आमेर में हुए प्रोग्राम में माइंडसेज इंटरनेशनल की फाउंडर अमेरिका आई एलिजाबेथ टेलर ने शिक्षाविदों को अवॉर्ड दिए। समारोह में पैनल डिस्कशन का भी आयोजन हुआ। नरेंद्र रावत इससे पूर्व भी शिक्षा के क्षेत्र में अपने इंटरनेशनल व नेशनल राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं। इसमें मॉरीशस के राष्ट्रपति पृथ्वीराज द्वारा दिया गया एजुकेशनल एंटरप्रेनर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड प्रमुख है। शिक्षाविद् होने के साथ रावत समाज सेवी व मोटिवेशनल स्पीकर हैं। रावत एजुकेशनल ग्रुप चेयरमैन बीएस रावत ने नरेंद्र को बधाई दी।

टॉक शो में दी नैतिक शिक्षा

बेधड़क. जयपुर। मोटिवेशनल टॉक में नैतिक शिक्षा का ज्ञान दिया गया। मौका था इनरविल क्लब जयपुर मेन के प्रोग्राम का, जिसमें प्रेसिडेंट डॉ. पुष्पा व पूर्व प्रेसिडेंट मंजू पुरोहित ने राजकीय एनवीडी स्कूल व बाल मंदिर में स्टूडेंट एक मंच पर आए। जेंडर इक्वलिटी के तहत मोटिवेशनल टॉक की गई और उन्हें नैतिक शिक्षा से संबंधित मान्यताएं दृष्टांत सहित बताई गईं। प्रिंसिपल डॉ. कविता ने डेवलप आर्गेनिक फार्मिंग के तहत लगाए गए औषधीय प्लांट्स के बारे में बताया। साथ ही फर्नीचर विहीन क्लासेज का अवलोकन किया गया।

शांति-सदभाव का बैलेंस बने

बेधड़क. जयपुर। स्वयं को इस तरह से प्रशिक्षित करें कि अपने अंदर शांति और सद्भाव का बैलेंस बने। यह टिप बॉलीवुड एक्ट्रेस दिव्या दत्ता ने जयपुर की महिलाओं को दिए। मौका था फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन जयपुर चेप्टर की ओर से एक्ट्रेस के साथ एक इंटरेक्टिव सेशन का, जिसमें फिक्की की मैंबर्स ने हिस्सा लिया और चेयर पर्सन नेहा ढड्डा के साथ दिव्या दत्ता ने स्टेज पर कई बातें शेयर कीं। इस मौके पर एक्ट्रेस ने अपनी जर्नी शेयर की और अभिनयर कॅरियर के कई किस्से बताते हुए मैंबर्स को मोटिवेट किया। उन्होंने कहा कि अपने लिए एक समय निर्धारित करें। उसमें स्वयं पर काम करते हुए खुदको आगे लेकर जाएं।

City इवेंट्स

एमएलए सिंघवी का किया स्वागत

बेधड़क. जयपुर। टोंक रोड स्थित रामाज रिसोर्ट में विधानसभा चुनाव में जीते पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायक प्रताप सिंह सिंघवी का माला और साफा पहना कर स्वागत किया। रिसोर्ट ऑनर मोहित टेलर और कौथून से प्रधान बद्रीनारायण चौधरी के साथ सुरेंद्र चौधरी, दयाराम, मायाराम, हेमराज, रामेश्वर, रमेश, बजरंग लाल चौधरी आदि ने सिंघवी और उनके पुत्र हर्ष सिंघवी और माताजी का सम्मान किया।

जयपुराइट्स को फिर डराएंगे कार्तिक

बेधड़क. जयपुर। जयपुराइट्स एक बार फिर भूषण व कृष्ण कुमार निर्मित और अनीस बज्मी निर्देशित एक्टर कार्तिक आर्यन की भूल-भुलैया-3 को एंजॉय करेंगे। इसके लिए मूवी को फ्लोर पर लाने की तैयारी की जा रही है। ऐसे में जयपुराइट्स को मूवी से काफी उम्मीदे हैं और पूरी टीम इसे सफल बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। ऐसे में एक्टर ने भी अपने फैंस के लिए ये खुश खुबरी जाहिर की है।

कलाकार जीवंत करेंगे फिगरेटिव कला

बेधड़क. जयपुर। जयपुर में साधनारत नए व पुराने कलाकार शिरकत करेंगे। सभी अपनी-अपनी सोच से फिगरेटिव कला को जीवंत करेंगे। क्योंकि देश के कला फलक पर 8 दशक से भी अधिक समय तक अपनी कला से पहचान कायम करने वाले पद्मश्री स्व. रामगोपाल विजयवर्गीय की स्मृति में जल महल के पास बनाए गए म्यूजियम में मंगलवार से शहर के दर्जनों वरिष्ठ और युवा कलाकार एकत्र होंगे। वे मिलकर कैनवास पर फिगरेटिव कला के रंगीन नजारे जीवंत करेंगे। कैंप संयोजक प्रबोध गोविल ने बताया कि 5 दिवसीय आयोजन में फिगरेटिव कला को जीवंत करेंगे। गौरतलब है विजयवर्गीय ने फिगरेटिव कला के जरिए देशभर में ख्याति अर्जित की थी। शिविर में 9 दिसंबर तक चित्र बनाने की प्रक्रिया होगी। इसके बाद रविवार को बनी कृतियों का निर्णायक मंडल द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा। इस दौरान प्रथम स्थान वाली कृति को दस, द्वितीय को साढ़े सात तथा तृतीय स्थान वाली कृति को पांच हजार रुपए के नकद इनाम दिए जाएंगे।

JJS: ज्वेलर्स डिजाइन अवॉर्ड-2023 में जयपुर शामिल

ग्रैंड जूरी की मुंबई में मीटिंग, 22 को फाइनलिस्टों का जयपुर में सम्मान

बेधड़क | जयपुर

जयपुर का टैलेंट और क्रिएशन इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर दिखाई दिया। वहीं गुलाबी नगरी के जूलरी विशेषज्ञों ने माया नगरी में जूरी के रूप में उपस्थित होकर मान बढ़ाया। वे इंडियन ज्वेलर मैगजीन के हाल ही में मुंबई के होटल जेडब्ल्यू मैरियट में जेजेएस-इंडियन ज्वेलर्स डिजाइन अवॉर्ड-2023 के 13वें सीजन के लिए ग्रैंड जूरी मीट में शामिल थे।

सभी फाइनलिस्टों को 22 दिसंबर को गुलाबी नगरी में आयोजित होने वाले जयपुर ज्वेलरी शो में आयोजित समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इंडियन ज्वेलर के एडिटर आलोक काला ने कहा कि इस साल आईजे अवाड्र्स में 1000 से अधिक डिजाइनरों ने भाग लिया। इनमें से 133 से अधिक डिजाइनों का मूल्यांकन प्रतिष्ठित जूरी ने किया, जिसमें उनकी डिजाइन और कलाकारी के अलावा तकनीक आदि को परखा गया।

इस वर्ष जूरी पैनल में जयपुर के राजीव जैन-जेजेएस सचिव के अलावा वैशाली बनर्जी-प्रबंध निदेशक प्लेटिनम गिल्ड इंटरनेशनल इंडिया, अपूर्वा देशिंगकर-वरिष्ठ निदेशक शिक्षा व बाजार विकास जीआईए इंडिया, काव्या पोटलुरी-जूलरी डिजाइनर, मैथिल राउत-आर्किटेक्ट इंटीरियर और प्रोडक्ट डिजाइनर पार्टनरी रेड आर्किटेक्ट्स, अनिशा जैन-सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट, आरूषी शर्मा-अभिनेता और ताशीन रहीमतुल्ला-संस्थापक टेस्ट रिट्रीट्स शामिल रहे। इस मौके पर अर्पित काला ने बताया कि प्रविष्टियों का मूल्यांकन नवीनता, योग्यता, विशिष्टता और शिल्प कौशल के अधार पर किया गया।

गोपाल शर्मा का सम्मान आज

जयपुर। वरिष्ठ पत्रकार व नवनिर्वाचित विधायक गोपाल शर्मा का सम्मान समारोह मंगलवार को पिंक सिटी प्रेस क्लब में आयोजित किया जाएगा। दोपहर 3 बजे से होने वाले प्रोग्राम में राजस्थान के कई पत्रकार और समाज सेवियों के साथ अन्य लोग शामिल होंगे। इस मौके पर शर्मा अपनी जर्नी शेयर करते हुए युवाओं को मोटिवेट करेंगे।

भैरव मंदिरों में मनाएंगे काल भैरवाष्टमी

जयपुर। जयपुर में मंगलवार को मार्गशीर्ष कृष्ण अष्टमी काल भैरवाष्टमी के रूप में मनाई जाएगी। इस दौरान भैरव मंदिरों में विशेष श्रृंगार के साथ ही पूजा, अर्चना, महाआरती, भंडारा और प्रसादी के आयोजन होंगे। छोटी काशी में एमआई रोड, न्यू गेट, खेजड़ों का रास्ता, आमेर महल सहित अन्य भैरव मंदिरों में विशेष आयोजनों की तैयारी की गई है। शाम को महाआरती की जाएगी।

उपहार पाकर खिले चेहरे

बेधड़क. जयपुर। मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान की ओर से दिव्यांग, अनाथ व भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों के लिए स्माइल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रताप नगर स्थित सेंट जोसेफ कोवेंट स्कूल में हुए प्रोग्राम में ट्रस्ट अध्यक्ष से.नि. आरएएस एनएल वर्मा ने अतिथियों शाल व मोमेंटो देकर स्वागत किया। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर, ट्रस्ट सदस्य व मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने बताया कि मुख्य अतिथि पंडित मोहित मुद्गल थे। विशिष्ट अतिथि बसंत जैन रहे। वहीं सवाई सिंह, कवि गोपाल शरण, पंडित आशुतोष महाराज, दुर्गा वर्मा, हेमराज वर्मा, सुखराज वर्मा, दिनेश आलोरिया, सुरेश कुमार, चंदन, सुमन देवी, अंजू वर्मा, बृजेश, मनीष आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक कौशल सत्यार्थी ने बताया कि कार्यक्रम में 400 बच्चों ने भाग लिया। खेल-कूद, पेटिंग, फैशन शो, सांस्कृतिक आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिनमें बच्चों ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को प्रमाण-पत्र व उपहार देकर मोटिवेट किया गया। जरूरतमंद बच्चों को व्हील चेयर्स, जूते, कपड़े आदि भी दिए गए। कार्यक्रम में इंडियन ऑइल कॉर्पोरेशन, हिंदुस्तान पेंसिल प्राइवेट लिमिटेड, केस्टेलिनो आई फाउंडेशन, भक्ति सिद्धान्त वाणी सेवा ट्रस्ट, धम्म फाउंडेशन, सम्यक दिव्यांग फाउंडेशन, सेंट जोसेफ कोवेंट स्कूल आदि शामिल रहे।

'रथ खाना' में जयपुर के इतिहास का वैभव | **विरासत के रूप में हाथी कवच, जल झूलनी नाव और माधो सिंह की बग्गी**

दुनिया को एक छत के नीचे देखने को मिलेगा हेरिटेज

बेधड़क | जयपुर

जयपुर की आभा, इतिहास और हेरिटेज अब दुनिया को एक छत के नीचे देखने को मिलेगा। क्योंकि जयपुर का इतिहास समेटे हाथी कवच, जल झूलनी नाव, तख्त-ए-रावण, चांदी की 'कार्ट' और माधो सिंह की बग्गी सबके सामने लाई गई है।

ये वही है, जिसने ट्रांसपोर्ट (परिवहन) ने राजपूत शासकों को मित्र-राष्ट्रों से भेंट करने, शिकार करने, तीर्थ यात्रा पर जाने, युद्ध छेड़ने और अपने क्षेत्र में औपचारिक परेड़ से शासन का दावा करने में सक्षम बनाया। अब सिटी पैलेस में अपनी तरह की एक अनूठी ट्रांसपोर्ट गैलरी- 'रथ खाना' खोली गई है, जिसमें विभिन्न ट्रांसपोर्ट के साधनों के माध्यम से पूर्व शासकों की शक्ति, तीर्थ यात्रा और उनके अनुभवों को प्रदर्शित किया जा रहा है।

गेट नंबर 2 पर देखा जाएगा

'रथ खाना'-ट्रांसपोर्ट गैलरी सिटी पैलेस में गेट नंबर-2 के पास स्थित है। महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय संग्रहालय के हिस्से के रूप में आगंतुकों के देखने के लिए उपलब्ध है।

कृष्ण की मूर्ति की होती थी सवारी

यहां ट्रांसपोर्ट में 19वीं शताब्दी की जल झूलनी नाव है, जिस पर जल झूलनी एकादशी पर तालकटोरा झील पर ठाकुरजी को जलविहार कराया जाता था। 18वीं-19वीं सदी का एक पोर्टेबल सिंहासन 'तख्त-ए-रावण' है, जिसका उपयोग विशेष अवसरों पर शासक को ले जाने के लिए किया जाता था तो 18वीं सदी की हाथ से बनाई गई चांदी की 'कार्ट' भी है। सवाई माधो सिंह द्वितीय की 20वीं सदी की बग्गी और हाथी कवच का सूट आदि शामिल भी हैं।

व्यक्ति की सोच ही उसे बड़ा बनाती है, यदि हम गुलाब की तरह खिलना चाहते हैं, तो कांटों के साथ तालमेल की कला सीखनी ही होगी।
विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

लंदन में धूमधाम से मनाया मिर्चीबड़ा महोत्सव

■ राजस्थान एसोसिएशन की ओर से किया गया आयोजन

एजेंसी | लंदन

यूके की राजधानी लंदन रविवार को राजस्थानी व्यंजन के जायके से महक उठी। राजस्थान एसोसिएशन यूके की ओर से 3 दिसंबर को लंदन में मिर्चीबड़ा महोत्सव बड़े धूम धाम से मनाया गया। इस आयोजन में भाग लेने के लिए देश के कोन-कोने से लोग पहुंचे। आयोजन के मौके पर देशभर से आए लोगों ने इसे एक बड़ी सफलता बना दिया। समृद्धि भरे मिर्चीबड़े और मिठी जलेबी के साथ यहां के लोगों ने अपनी रुचि का स्वाद लिया और साथ ही समृद्धि और सांस्कृतिक एकता का आनंद लिया। राजस्थान एसोसिएशन ने मिर्ची बड़ा फेस्टिवल का आयोजन कर सभी लोगों के बीच दोस्ती और समर्थन का माहौल बना दिया। भारतीय संगीत, नृत्य और हंसी-मजाक के वातावरण में लोगों ने यहां खूबसूरत यादें संजोयी। इस महोत्सव में लोगों ने सिर्फ स्वाद का आनंद ही नहीं लिया, बल्कि यह एक ऐसा मौका भी बना जहां से लोग मिलकर प्रेम और समृद्धि के साथ नए साल की शुरुआत करेंगे ।

बाइडेन प्रशासन ने संसद से 106 बिलियन डॉलर मांगें

यूक्रेन की मदद नहीं करेगा अमेरिका

एजेंसी | वाशिंगटन

यूक्रेन-रूस युद्ध को लगभग दो साल होने वाले हैं। इस भयानक युद्ध में हजारों मौतें और लाखों लोग विस्थापित हुए हैं, इस बीच अमेरिका ने रूस के खिलाफ जंग लड़ने के लिए यूक्रेन की हर तरह से मदद की है। मगर, सोमवार को अमेरिका ने ताजा बयान में यूक्रेन की पीठ से अपना हाथ खींच लिया है। व्हाइट हाउस ने बयान जारी करके कहा है कि उसके पास यूक्रेन को रूस खिलाफ जंग लड़ने में मदद करने के लिए पैसे खत्म हो गए हैं। व्हाइट हाउस की बजट निदेशक शलांडा यंग ने सोमवार को इस बारे में रिपब्लिकन हाउस के अध्यक्ष माइक जॉनसन और अन्य कांग्रेस नेताओं को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में चेतावनी दी गई है कि यूक्रेन को रूस के साथ युद्ध लड़ने में मदद करने के लिए अमेरिका के पास समय और धन की कमी हो रही है। दरअसल, इसी साल अक्टूबर में राष्ट्रपति जो बाडेइन प्रशासन ने यूक्रेन, इजरायल और अमेरिकी बॉर्डर की सुरक्षा के लिए देश की संसद से लगभग 106 बिलियन डॉलर की मांग की थी। अमेरिका में यूक्रेन को युद्ध में फंडिंग देने का मामला जनीतिक रूप से विवादास्पद हो गया है।

रूस जीत सकता है जंग

शलांडा यंग ने व्हाइट हाउस की तरफ से पत्र जारी करके कहा है कि यूक्रेन की फंडिंग और हथियारों की सप्लाई रोकने से रूस यह जंग जीत सकता है। उन्होंने लिखा, "मैं स्पष्ट तौर से बताना चाहती हूं कि इस साल के अंत तक यूक्रेन को देने के लिए हमारे पास पैसे और हथियारों से भरे संसाधन खत्म हो जाएंगे। यूक्रेन को देने के लिए हमारे पास फंडिंग का कोई जादुई साधन मौजूद नहीं है। हमारे पास पैसे नहीं हैं और इसका समय भी खत्म हो गया है।"

सोशल मीडिया पर जारी की गई आरोपियों की तस्वीर

ब्रैम्पटन हमले में चार भारतीयों की तलाश

एजेंसी | ओटावा

ओंटारियो प्रांत के ब्रैम्पटन शहर में सितंबर में हुए एक हमले के सिलसिले में कनाडाई अधिकारियों ने भारतीय मूल के चार लोगों की तलाश शुरू की है। इससे पहले आठ सितंबर को पीड़ित पर ब्रैम्पटन में कई गुटों ने हमला किया था। हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले हमलावर वहां से फरार हो गए थे। पीड़ित को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। जांच में बताया गया कि हमलावर की उम्र 22 से 30 वर्ष के बीच है। पील के क्षेत्रीय पुलिस ने इस गंभीर हमले के संबंध में 22 वर्षीय आफताब गिल और हरमनदीप सिंह, 25 वर्षीय जतिंदर सिंह और 30 वर्षीय सतनाम सिंह का पता लगाने के लिए स्थानीय मदद मांगी है। उन्होंने आरोपियों की तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी जारी किया है।

पाकिस्तान
इमरान पर 13 को फिर तय होंगे आरोप

एजेंसी | इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री कुरैशी पर गोपनीय दस्तावेज लीक मामले में (साइफर मामले में) 12 दिसंबर को फिर आरोप तय किए जाएंगे। देश की एक विशेष अदालत ने फैसला सुनाया है। इमरान खान और कुरैशी के खिलाफ जेल में सुनवाई शनिवार को शुरू हुई जब इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने पिछले महीने एक फैसले में प्रक्रियात्मक आधार पर जेल की सुनवाई को अवैध घोषित कर दिया और इसकी कार्यवाही को भी रद्द कर दिया। न्यायाधीश जुल्केरनैन ने सोमवार को सुनवाई 12 दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी और कहा कि उसी दिन पीटीआई नेताओं के खिलाफ आरोप तय किए जाएंगे।

जापान में बिजली पैदा करने के लिए नया एक्सपेरिमेंट

सबसे बड़ा परमाणु फ्यूजन रिएक्टर शुरू

एजेंसी | टोक्यो

दुनिया का सबसे बड़ा न्यूक्लियर फ्यूजन रिएक्टर शुरू हो चुका है। बीते शुक्रवार जापान के नाका नॉर्थ में इसे स्टार्ट किया गया है। बता दें कि इस वक्त पूरी दुनिया में मौजूद परमाणु संयंत्र फिजन पर काम करते हैं, जो दो अणुओं के केंद्रक को अलग करते हैं, जबकि जापान में शुरू हुआ ये न्यूक्लियर फ्यूजन संयंत्र दो अणुओं के केंद्रक को आपस में जोड़कर ऊर्जा पैदा करता है। गौरतलब है कि इस न्यूक्लियर रिएक्टर का नाम JT-60SA है। बता दें कि इस न्यूक्लियर फ्यूजन को इसलिए तैयार किया गया है, ताकि बड़े पैमाने पर, सुरक्षित ढंग से कार्बन मुक्त ऊर्जा उत्पन्न की जा सके। मालूम हो कि ये फिलहाल एक एक्सपेरिमेंट है, जिसके सफल होने पर इसे लोगों या देश की दरकार के मुताबिक बड़े पैमाने पर स्थापित किया जाएगा। वहीं अगर JT-60SA के न्यूक्लियर फ्यूजन से साफ-सुथरी बिजली पैदा होती है, तो आने वाले वक्त के लिए ये एक बेहतरीन प्रदूषणमुक्त तरीका साबित होगा।

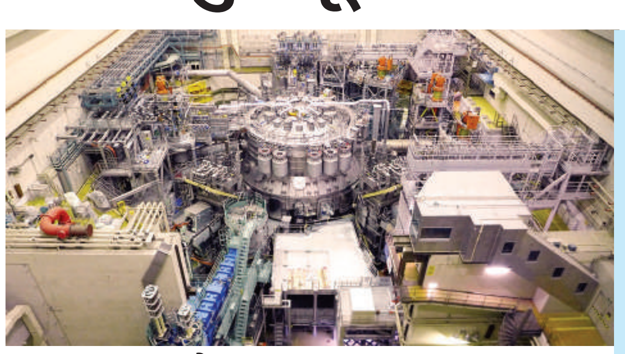

सूरज की तरह है प्रक्रिया

इसे यूरोपियन यूनियन और जापान नें मिलकर बनाया है, जिसमें हाइड्रोजन केंद्र के हीलियम से मिलान के बाद बहुत अधिक मात्रा में रोशनी और गर्मी का उत्सर्जन होता है। ये प्रक्रिया हूबहू वैसी ही है, जैसे सूरज में होती है। इसे लेकर प्रोजेक्ट के डिप्टी लीडर सैम डेविस बताते हैं कि, इस मशीन के तहत हम फ्यूजन एनर्जी के इस्तेमाल की ओर बढ़ पाएंगे।

50 कंपनियां और 500 साइंटिस्ट लगे

सैम डेविस कहते हैं कि इसे बनाने में 500 साइंटिस्ट और इंजीनियर्स लगे हैं। ये यूरोप और जापान की करीब 50 कंपनियों से आए हैं। यह दुनिया का सबसे एडवांस टोकामाक है। फ्यूजन एनर्जी के इतिहास में यह एक मील का पत्थर साबित होने वाला है। इस सदी के मध्य तक इसी तरह के न्यूक्लियर रिएक्टर से ऊर्जा मिलेगी। यह तकनीक पूरी दुनिया में फैलेगी।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।